ज्ञानामृत

यदि बहरों को सुनना है तो आवाज को बहुत जोरदार होना होगा।

भगत सिंह

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, मंगलवार, 03 मार्च 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 84 | पेज- 08 | मूल्य- 5 रुपए /-

कृषि कैबिनेटः मोहन का जनजातीय अंचल से किसान समृद्धि का संदेश

16 योजनाओं पर 28,000 करोड़ खर्च करेगी सरकार

कृषि, सिंचाई और पशुपालन क्षेत्र के लिए 27 हजार 500 करोड़ की स्वीकृति

विजय मत, बड़वानी/भोपाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में बड़वानी जिले के भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में आयोजित पहली कृषि कैबिनेट में कृषि, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी और सहकारिता से जुड़ी योजनाओं के लिए 27 हजार 500 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई। किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत आयोजित इस विशेष मंत्रि-परिषद बैठक में किसानों और उत्पादक गतिविधियों से जुड़े वर्गों के हित में 25 हजार 678 करोड़ रुपए की योजनाओं को मंजूरी दी गई। इसी बैठक में नर्मदा नियंत्रण मंडल की बैठक के दौरान बड़वानी जिले की दो प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण के लिए 2,067.97 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। स्वीकृत राशि आगामी पाँच वर्षों में व्यय की जाएगी। जनजातीय अंचल में आयोजित इस कैबिनेट में मंत्रियों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर जनजातीय समाज के सम्मान और कल्याण का संदेश दिया।

सिंचाई परियोजनाओं से 38 हजार हेक्टेयर में सिंचाई

वरला उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना के तहत नर्मदा नदी से 51.42 एमसीएम जल उठाकर 33 गाँवों की 15 हजार 500 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसकी लागत 860.53 करोड़ रुपए है। पानसेमल माइक्रो सिंचाई उद्वहन परियोजना के तहत 74.65 एमसीएम जल उठाकर 53 गाँवों की 22 हजार 500 हेक्टेयर भूमि को सिंचित किया जाएगा। इसकी लागत 1,207.44 करोड़ रुपए है। इन परियोजनाओं से अल्प वर्षा क्षेत्र में भूजल स्तर सुधारने और फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मत्स्य, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 को स्वीकृति दी। इस नीति से तीन वर्षों में 3 हजार करोड़ रुपए का निवेश और लगभग 20 हजार रोजगार सृजित होने का अनुमान है। मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के लिए 200 करोड़ रुपए, राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन की पाँच वर्ष की निरंतरता के लिए 1,150 करोड़ रुपए, तथा सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के लिए 1,375 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। पौधशाला उद्यान योजना के लिए 1,739 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है।

पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में बड़ा निवेश

पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए अगले पाँच वर्षों में 610.51 करोड़ रुपए, पशुधन विकास हेतु 656 करोड़ रुपए, तथा पशु स्वास्थ्य रक्षा और संरक्षण की 14 योजनाओं के लिए 1,723 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र की 11 योजनाओं के लिए 6,518 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इससे पशु प्रजनन, टीकाकरण, मुर्गी पालन और रोग उन्मूलन कार्यक्रमों को गति मिलेगी।

सहकारिता और कृषि ऋण पर फोकस

कृषकों को अल्पकालीन फसल ऋण पर ब्याज अनुदान योजना के लिए 3,909 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। सहकारी बैंकों की अंशपूंजी सहायता योजना के लिए 1,975 करोड़ रुपए तथा सहकारी संस्थाओं के संचालन और निगरानी के लिए 1,073 करोड़ रुपए मंजूर किए गए। इसके अतिरिक्त सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए 1,229 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं, जिससे किसानों को सस्ती ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

अमेरिका ने पाकिस्तानी एयरस्पेस से ईरान पर हमला किया

ईरानी कमांडर की पाक को धमकी, कहा- अगर ये सच है तो कीमत चुकानी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का आज तीसरा दिन है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के 2 दिन बाद उनकी पत्नी मंसूरेह खोझस्तेह बघेरजादेह का भी निधन हो गया है। मंसूरेह दो दिन पहले अमेरिका और इजराइल के हमले में घायल हुई थीं। इसी हमले में खामेनेई मारे गए थे। ईरान की सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि मंसूरेह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पुराने सहयोगी ब्रिटेन पर नाराजगी जताई है। दरअसल ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद अपना मिलिट्री बेस डिएगो गॉर्सिया देने में देर की। अमेरिका जंग के पहले दिन ही इस बेस से ईरान पर हमला करना चाहता था। लेकिन ब्रिटेन ने 48 घंटे बाद इसकी इजाजत दी और कहा कि अमेरिका को यहां से सिर्फ ईरान के मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की परमिशन होगी। इसे लेकर ट्रम्प ने कहा है कि वे ब्रिटिश पीएम से बेहद निराश है।

पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति से की बात

पीएम मोदी ने यूएई के प्रेसिडेंट शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहायान से बात की है। पीएम ने सोशल मीडिया साइट पर लिखा, यूएई के प्रेसिडेंट, मेरे भाई शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहायान से बात की। यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की और इन हमलों में हुई मौतों पर दुख जताया। भारत इस मुश्किल समय में ् श्व के साथ खड़ा है। यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय का ख्याल रखने के लिए उनका धन्यवाद किया। हम तनाव कम करने, इलाके में शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करते हैं।

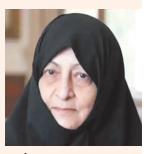

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की पत्नी की भी मौत

ईरान की सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि देश के मृत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की पत्नी मंसूरेह खोझस्तेह बघेरजादेह ने उन चोटों से आज दम तोड़ दिया, जो उन्हें हालिया संयुक्त अमेरिकी-इजराइली हवाई हमलों के दौरान लगी थीं।

ट्रंप-स्टार्मर आमने-सामने, कहा-

ब्रिटिश पीएम ने एयरबेस के इस्तेमाल से रोका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर अभी सबसे बड़ा हमला बाकी है। ट्रम्प ने कहा अमेरिका ने अभी पूरी ताकत से हमला शुरू नहीं किया है और आने वाले दिनों में कार्रवाई और तेज हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे बड़ी सेना है और उसका इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा ट्रम्प ने अपने पुराने सहयोगी ब्रिटेन पर नाराजगी जताई है। दरअसल ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद अपना मिलिट्री बेस डिएगो गॉर्सिया देने में देर की। अमेरिका जंग के पहले दिन ही इस बेस से ईरान पर हमला करना चाहता था। लेकिन ब्रिटेन ने 48 घंटे बाद इसकी इजाजत दी और कहा कि अमेरिका को यहां से सिर्फ ईरान के मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की परमिशन होगी। इसे लेकर ट्रम्प ने कहा है कि वे ब्रिटिश पीएम से बेहद निराश है।

चागोस समझौते को लेकर ट्रंप ने क्या कहा?

डिएगो कार्सिया को लेकर इस विवाद के चलते राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री के उस विवादित चागोस समझौते से समर्थन वापस ले लिया, जिसके तहत हिंद महासागर के इस क्षेत्र का स्वामित्व मॉरीशस को सौंपकर सैन्य अड्डा वापस लीज पर लेने की योजना थी। ट्रंप ने कहा, अचानक मॉरीशस ने मालिकाना हक का दावा करना शुरू कर दिया।

ईरानी राष्ट्रपति ने कार्यवाहक रक्षा मंत्री नियुक्त किया

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के जनरल माजिद एब्नेलरेजा को देश का कार्यवाहक रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब हालिया इजराइल-अमेरिका हमलों में पूर्व रक्षा मंत्री की मौत हो गई थी।

ईरानी हमले से साइप्रस में ब्रिटिश मिलिट्री बेस को मामूली नुकसान

ईरान ने साइप्रस में ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के अक्रोटिरी बेस पर ड्रोन हमला किया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रविवार देर रात हुए इस हमले में बेस को मामूली नुकसान पहुंचा, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। इसके जवाब में ब्रिटिश सेना कार्रवाई कर रही है। दरअसल, ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने ईरानी मिसाइल साइट्स पर हमले के लिए अमेरिका को इस बेस का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी।

ईरान का आरोप- पाकिस्तान ने अमेरिका को हमले के लिए एयरस्पेस दिया

ईरान ने पाकिस्तान पर आरोप लगाया है कि उसने अमेरिका को उसके खिलाफ हालिया सैन्य हमलों के लिए अपना एयरस्पेस इस्तेमाल करने दिया। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक सीनियर कमांडर ने कहा कि यदि पाकिस्तान ने ऐसा किया है तो वह सुरक्षित नहीं रहेगा और उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।

कतर के 2 एनर्जी ठिकानों पर ईरान का ड्रोन अटैक

कतर के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि ईरान के दो ड्रोन देश की एनर्जी फैसिलिटी (ऊर्जा ठिकानों) पर गिरे हैं। बताया गया है कि एक ड्रोन मेसाईद में एक बिजली घर के पानी के टैंक से टकराया। दूसरा ड्रोन रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में मौजूद कतर एनर्जी की एक ऊर्जा ठिकाने पर गिरा, हमले में कोई घायल नहीं हुआ है।

अमेरिकी तेल-गैस कंपनी ने प्रोडक्शन रोका

अमेरिका की तेल-गैस कंपनी शेवरॉन ने बताया है कि इजराइल सरकार के कहने पर उसने लेवियाथन गैस फील्ड में गैस निकालने का काम कुछ समय के लिए रोक दिया है। यह गैस फील्ड इजराइल के समुद्र तट के पास है और देश के सबसे बड़े गैस स्रोतों में से एक है।

वैश्विक तनाव के बीच भारत-कनाडा कूटनीतिक पहल

2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 50 अरब डॉलर तक ले जाएंगे : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और कनाडा ने संबंधों को नई गति देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच हुई वार्ता में ईरान संकट, मुक्त व्यापार समझौता और ऊर्जा सहयोग पर सहमति बनी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि व्यापक आर्थिक साझेदारी के माध्यम से वर्ष 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाया जा सकता है। वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 9 अरब डॉलर है।

ईरान संकट और क्षेत्रीय स्थिरता

दोनों देशों ने स्वीकार किया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रम और पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री मार्गों और वैश्विक बाजारों पर पड़ सकता है। वार्ता में कूटनीतिक समाधान, बहुपक्षीय संवाद और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समन्वय बढ़ाने पर सहमति बनी। भारत और कनाडा ने क्षेत्रीय शांति को आर्थिक स्थिरता से जुड़ा विषय बताया।

एमपी में महंगाई भत्ता 58% हुआ, 12 लाख कर्मचारी-पेंशनर्स को फायदा

विजय मत, भोपाल

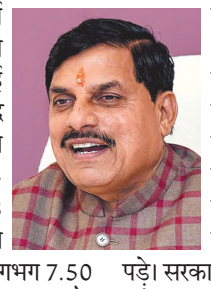

मोहन यादव ने राज्य के शासकीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को होली से पहले बड़ी सौगात देते हुए महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की है। अब कर्मचारियों को 55 प्रतिशत के स्थान पर 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। इस निर्णय से लगभग 7.50 लाख कर्मचारी-अधिकारी और 4.50 लाख पेंशनर्स लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के समान दर लागू करने का फैसला किया है। संशोधित दर अप्रैल 2026 के वेतन (मई में भुगतान) से प्रभावी होगी। जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक की एरियर राशि मई 2026 से छह समान किस्तों में दी जाएगी, ताकि कर्मचारियों को चरणबद्ध लाभ मिले और राजकोष पर एकमुश्त दबाव न पड़े। सरकार के अनुसार, यह निर्णय लंबे समय से लंबित मांग को ध्यान में रखकर लिया गया है। पेंशनर्स को भी जनवरी और फरवरी 2026 की पेंशन में 58% की दर से महंगाई राहत दी जाएगी।

एआई जेनरेटेड सबूतों पर फैसला लेना बिल्कुल गलतः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/विजयवाड़ा, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाए गए सबूतों पर फैसला लिखना गलत काम है। कोर्ट ने कहा कि ये कोई गलती से होने वाला काम नहीं है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि इसके नतीजों और जवाबदेही की जांच करना चाहते हैं क्योंकि इसका सीधा असर फैसले की प्रक्रिया की ईमानदारी पर पड़ता है। कोर्ट ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया है। दरअसल, पिछले साल अगस्त में आंध्र प्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट ने विवादित प्रॉपर्टी के केस में एआई से बनी तस्वीर के आधार पर फैसला दिया था। फैसले के खिलाफ आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसी साल जनवरी में हाइकोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई।

ममता ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बनाया

अभी वोटर लिस्ट से बाहर किया, सत्ता में आने पर राज्य से बाहर करेंगेः शाह

कोलकाता, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल में एक सभा में कहा कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बना दिया है। उन्होंने कहा कि एक बार बीजेपी की सरकार बन जाए, तो हम बंगाल से हर घुसपैठिए की पहचान करके उसे निकाल देंगे। शाह ने आगे कहा कि अभी वोटर रोल से सिर्फ घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में पार्टी के पूरी बहुमत के साथ सत्ता में आने पर उन्हें राज्य से बाहर कर देंगे। अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा को संबोधित करने के दैरान ये बातें कहीं।

पश्चिम एशिया में उथल-पुथल से शेयर बाजार में भूचाल

सेंसेक्स 1,048 अंक टूटा, निवेशकों की ₹6 लाख करोड़ की पूंजी साफ

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन की खबर से सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी भूचाल आ गया। संघर्ष के फैलने की आशंका से घबराए निवेशकों ने जमकर बिकवाली की, जिसके चलते दोनों बेंचमार्क सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक टूटकर गहरे लाल निशान में बंद हुए। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,048.34 अंक गिरकर 80,238.85 पर और निफ्टी 312.95 अंक टूटकर 24,865.70 पर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत बेहद कमजोर रही। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 78,543.73 तक लुढ़क गया था।

एक दिन में 6 लाख करोड़ का नुकसान

भारी बिकवाली के चलते बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 463.50 लाख करोड़ रुपये से घटकर 457 लाख करोड़ रुपये रह गया। यानी निवेशकों की संपत्ति में एक ही दिन में करीब 6 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 7,536.36 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए नूर खान बेस पर अफगानिस्तान का हमला

मारे गए 35 पाकिस्तानी सैनिक

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले चार दिनों से दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया, अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए हैं। इस कार्रवाई से दोनों पड़ोसी देशों के बीच हालात और ज्यादा बिगड़ गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में अफगान रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमले रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर हुए। इसके अलावा बलूचिस्तान के क्वेटा में 12वीं डिवीजन के मुख्यालय और खैबर पख्तूनख्वा की मोहमंद एजेंसी में ख्वाजाई कैंप पर भी बमबारी की गई। तालिबान का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान के कई अन्य जरूरी सैन्य कमांड सेंटरों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।

नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट, 21 डॉयरेक्टर्स के खिलाफ केस, 9 लोग गिरफ्तार

इलाज के दौरान दो ने दम तोड़ा, मृतक संख्या 19 हुई

नागपुर (महाराष्ट्र), एजेंसी

महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार को हुए धमाके से घायल दो और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे मृतकों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। उधर, पुलिस ने एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के नौ डॉयरेक्टर्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कंपनी के 21 डॉयरेक्टर्स और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 23 अन्य घायल श्रमिकों का यहां के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। धमाका नागपुर जिले की कटोल तहसील के राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक विस्फोटक निर्माता कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड की डेटोनेटर पैकिंग इकाई में हुआ। पुलिस ने बताया कि शव बुरी तरह जल चुके हैं और उनकी पहचान करने के लिए परिवार के सदस्यों के डीएनए नमूने लिए जा रहे हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

होटल कृष्णा में रोटरी क्लब शहडोल की बैठक

शहडोल। रोटरी राहत नि:शुल्क स्वास्थ शिविर की तैयारी को अंतिम रूप देने एवं अब तक की गई तैयारी की समीक्षा हेतु आज दिनांक 1 मार्च को स्थानीय होटल कृष्णा में रोटरी क्लब शहडोल की बैठक अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें अधिकतर रोटेरियन उपस्थित हुए। रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं राहत शिविर के संयोजक राजेश गुप्ता द्वारा शिविर के संबंध में की गई तैयारी के बारे में विस्तार से बताया गया एवं रोटियन साथी द्वारा दिए गए सुझावों को भी सम्मिलित किया गया। रोटेरियन साथी द्वारा अपने सुझाव भी दिया गया जिस पर क्रियान्वयन किया जाना है। क्लब के सचिव विनोद प्रधान ने बताया कि शिविर का व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। शीघ्र ही शहर के विभिन्न प्रवेश स्थलों पर ज़ेट्री के द्वारा आम जनों को शिविर की जानकारी दी जावेगी। शिविर के व्यवस्थित संचालन हेतु कई समिति बनाकर उनके दायित्वों के लिए जिम्मेदारी भी सौंपी गई तथा यह अपील की गई की सभी रोटेरियन संपूर्ण शिविर अवधि में पूर्ण समर्पण के साथ निर्धारित दायित्वों का जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे। शिविर में विभिन्न प्रकार के ऑपरेशन भी किए जाएंगे, जिसके लिए ब्लड की आवश्यकता होगी। इस हेतु रोटरी क्लब के द्वारा शिविर के पूर्व ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया जाएगा। इस मेगा शिविर में देश के विभिन्न स्थानों से विख्यात डॉक्टर और उनकी टीम इलाज, सर्जरी हेतु उपलब्ध रहेगी। जिसका आमजन इलाज हेतु लाभ उठा सकेंगे।कोषाध्यक्ष रविशंकर पाठक ने बताया कि शिविर के लिए मददगार आगे लगे है। व्यवसाई व रोटेरियन विवेक खोडियार ने आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। इनके अलावा सहारा ट्रैवल के संचालक रोटेरियन गोपाल शर्मा द्वारा अपने वातानुकूलित तीन वाहन को शिविर सिविल में पेशेंट के इलाज हेतु निशुल्क देने की घोषणा की गई। इसी प्रकार ब्राइटन स्कूल के संचालक रोटेरियन अजय विजरा एवं मनीष केजरीवाल द्वारा 6 बसों को शिविर अवधि हेतु निशुल्क देने की घोषणा की गई। बैठक में रोटरी परिवार में शामिल नए सदस्य के रूप में अमित बजाज को सदस्यता ग्रहण की गई।

अमलाई ओसीएम क्षेत्र से उजागर हुआ कबाड़ चोरी का मामला

धनपुरी। अमलाई ओसीएम क्षेत्र से उजागर हुआ कबाड़ चोरी का मामला अब साधारण आपराधिक घटना भर नहीं रह गया है। यह प्रकरण कई ऐसे तीखे सवाल खड़े कर रहा है, जिनके जवाब न केवल आरकेटीसी कंपनी बल्कि उसके शीर्ष प्रबंधन को भी देने होंगे। क्या यह महज कुछ कर्मचारियों की हरकत है, या फिर इसके पीछे संरक्षण की कोई गहरी परत छिपी हुई है?सूत्रों के अनुसार, ब्लास्टिंग के समय मैगजीन मार्ग पर आरकेटीसी के 30 नंबर ट्रिपर से कबाड़ खाली किया गया। इसके बाद कथित रूप से उसे कबाड़ी के माध्यम से बाहर खपाने की तैयारी थी। आखिर ब्लास्टिंग जैसे संवेदनशील समय में कबाड़ उतारने की अनुमति किसने दी? क्या यह नियमित प्रक्रिया का हिस्सा था, या फिर जानबूझकर मौके का फायदा उठाया गया?मौके पर एक पिकअप वाहन संदिग्ध हालत में खड़ा मिला। पूछताछ होते ही चालक ने एक नाम आया और उसी से बात होने का हवाला दिया और फिर वाहन लेकर फरार हो गया। सवाल यह है कि यदि सब कुछ वैध था तो फरारी क्यों? वह किसके निर्देश पर वहां मौजूद था? और सबसे अहम—क्या कंपनी प्रबंधन को इस गतिविधि की जानकारी थी या नहीं?घटना की सूचना मिलते ही धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कबाड़ और संबंधित सामग्री जब्त की। पुलिस की सक्रियता ने तत्काल नुकसान को रोका, लेकिन क्या यह केवल हिमशैल का ऊपरी हिस्सा है? क्या इस नेटवर्क की जड़ें कंपनी के अंदर तक फैली हुई हैं?स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि आरकेटीसी कंपनी के कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आ रही है। यदि अधीनस्थ कर्मचारियों के नाम उजागर होते हैं, तो क्या कंपनी यह कहकर पल्ला झाड़ लेगी कि यह卐व्यक्तिगत कृत्य卐 था? क्या इतनी बड़ी मात्रा में कबाड़ की आवाजाही बिना उच्च स्तर की जानकारी के संभव है? क्या सुरक्षा और निगरानी तंत्र सिर्फ कागजों तक सीमित है?सबसे बड़ा सवाल प्राइवेट कंपनी के जिम्मेदार लोगो को लेकर उठ रहा है। क्या उन्हें इस पूरी गतिविधि की भनक तक नहीं थी? यदि नहीं थी, तो क्या यह प्रशासनिक विफलता नहीं है? और यदि थी, तो क्या यह संरक्षण का मामला बनता है? क्या कंपनी में कुछ खास लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है?

कोयलांचल की बेटी अंकिता छगानी बनी चार्टर्ड अकाउंटेंट

धनपुरी । कोयलांचल क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं समाजसेवी

परिवार की होनहार बेटी कुमारी अंकिता छगानी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे समाज और व्यापारी वर्ग में खुशी की लहर दौड़ गई है।कुमारी अंकिता छगानी, वरिष्ठ कारोबारी व समाजसेवी किशन चन्द छगानी की पौत्री तथा कपड़ा कारोबारी व समाजसेवी संतोष छगानी की सुपुत्री हैं। परिवार की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर शुभकामनाओं का तांता लग गया है। समाज के वरिष्ठजनों ने इसे न केवल परिवार बल्कि पूरे कोलांचल क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया है। पूज्यसिंधी पंचायत अमलाई के अध्यक्ष कैलाश लालवानी, उपाध्यक्ष भरत छगानी, पवन चीनी, अजय वाधवानी, अजय लालवानी, संजय लालवानी, संजय ओटवानी, सुनील ओटवानी, अशोक डोडानी, राकेश डोडानी सहित समाज के कई गणमान्य लोगों ने अंकिता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

शहडोल के नरसरहा में 3 करोड़ का पार्क प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में

सर्वसुविधायुक्त पार्क का सपना बना कागजी घोषणा, अधिकारी बदलते ही थमी रफ्तार

विजय मत, शहडोल

कभी बच्चों की किलकारियों, सुबह-शाम टहलते बुजुर्गों और हरियाली से सजे खुले परिसर की कल्पना के साथ जिस ड्रीम प्रोजेक्ट की घोषणा हुई थी, वह आज नरसरहा में अधूरा सपना बनकर रह गया है। 3 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित आधुनिक सर्वसुविधायुक्त पार्क, जिसे शहर के विकास की बड़ी पहल बताया गया था, अब प्रशासनिक बदलाव और सुस्त प्रक्रिया के चलते ठंडे बस्ते में जाता दिखाई दे रहा है। भूमि चिन्हांकन और सर्वे की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू न होना क्षेत्रवासियों के लिए गहरी निराशा का कारण बन गया है।

घोषणा से जगी उम्मीद, अब छाई मायूसी

नगर पालिका ने नरसरहा में लगभग 2.50 एकड़ भूमि पार्क निर्माण के लिए चिन्हित की थी। प्रस्तावित योजना में किड्स जोन, वॉकिंग ट्रैक, सिटआउट एरिया, ओपन जिम, आकर्षक फाउंटेन और विस्तृत ग्रीन एरिया विकसित किए जाने थे। इसे बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के लिए बहुउद्देश्यीय मनोरंजन स्थल के रूप में तैयार करने की बात कही गई थी। भूमि सर्वे और सीमांकन की जानकारी सार्वजनिक की गई और बजट प्रस्ताव शासन स्तर पर भेजने का आश्वासन भी दिया गया। उस समय स्थानीय नागरिकों ने इसे नरसरहा के विकास का नया

अध्याय माना था।

अधिकारी बदलते ही थमी रफ्तार

मुख्य नगर पालिका अधिकारी के स्थानांतरण के बाद इस परियोजना की गति अचानक धीमी पड़ गई। बजट स्वीकृति की प्रक्रिया अटकी बताई जा रही है और निर्माण कार्य प्रारंभ करने की कोई स्पष्ट समयसीमा सामने नहीं आई है।सूत्रों का कहना है कि नई प्रशासनिक प्राथमिकताओं में इस परियोजना को अपेक्षित महत्व नहीं मिल रहा। शहर के अन्य हिस्सों में विकास कार्य आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन नरसरहा पार्क को लेकर अनिश्चितता बरकरार है।

अन्य क्षेत्रों में लोकार्पण, नरसरहा अब भी प्रतीक्षा में

शहर के धनपुरी क्षेत्र में बड़े प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण हो चुका है, जबकि नरसरहा जैसे वार्ड अब भी बुनियादी सुविधाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का सवाल है कि जब भूमि चिन्हांकन और सर्वे पूरा हो चुका है, तो देरी किस कारण से हो रही है? क्षेत्र में खाली पड़ी जमीन और खुले गड्ढों की समस्या पहले से मौजूद है। ऐसे में पार्क का निर्माण न केवल सौंदर्यीकरण बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी जरूरी माना जा रहा था।

पारदर्शिता और शीघ्र निर्णय की मांग

नरसरहा के निवासियों ने प्रशासन से स्पष्ट जानकारी और त्वरित निर्णय की मांग की है। उनका कहना है कि यदि बजट या स्वीकृति संबंधी कोई अड़चन है, तो उसे सार्वजनिक किया जाए और प्रस्ताव को पुनः सक्रिय किया जाए। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या नरसरहा का यह बहुप्रतीक्षित पार्क वास्तव में जमीन पर उतरेगा, या फिर यह भी एक अधूरी घोषणा बनकर फाइलों में सिमट जाएगा।

घुनघुटी ग्राम पंचायत में गायब हुई कई नालिया

विजय मत, शहडोल

वर्तमान दौर में ग्रामों के विकास कार्यों का जिम्मा पंचायत एवं ग्रामीण विकास को दिया गया है, जिससे विकास की प्रथम धुरी ग्राम पंचायतों को दी गई है और विकास कार्यों के लिये ग्राम पंचायतों में अकूत धन राशि उडेली जा रही है, ताकि कोई भी ग्राम पंचायत विकास से अछूता न रहे लेकिन इस धन राशि का पंचायतों के विकास में कितना गुरूतर प्रयोग किया जाता है उसकी एक बानगी देखना हो तो उमरिया जिले के कुछेक ग्राम पंचायत की असलियत देखकर हांडी के दो दानों की भांति कागजी विकास और वास्तविक धरातलीय विकास से वाकिफ हो सकतें है।

विकास के नाम पर लाखों का गडबड झाला

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कतिपय जिम्मेदार अधिकारियों की संलिप्तता से कागजी विकास के घोड़े सरपट दौड लगाते देखें जा सकते हैं ।विकास के नाम पर लीपापोती कर किस कदर शासकीय राशि का वारा न्यारा ग्राम पंचायत में होता है , उसे एक नज़र में देखना है तो पाली जनपद पंचायत की घुनघुटी ग्राम पंचायत के कागजी विकास कार्यों की नब्ज देख लेना ही पर्याप्त होगी जहाँ पर कागजों पर व्यापक पैमाने पर विकास देखने को मिलेगे ,जिनका वास्तविक धरातल पर उनकी बुनियाद ही नहीं रखी गयी है। कागजी विकास असलियत से कही मेल नहीं खाती, फिर भी इन विकास कार्यों की के नाम पर लाखों रूपयों की होली खेली गयी है, फिर भी कोई देखने वाला नजर नहीं आ रहा हैं। बेशर्मी की हद तो तब पार हो गयी, जब शिकायतें जन सुनवाई में विधिवत आवेदन देते हैं और उनमें कोई जांच कार्यवाही न कर मामले को रफा दफा कर दिया जाता है।

घुनघुटी ग्राम पंचायत में सदा लटकता ताला

पाली जनपद पंचायत की राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित ग्राम पंचायत घुनघुटी जो की सडक के किनारे बनी ग्राम पंचायत कार्यालय में सदैव ताला लटकता रहता है। जबकि पिछ्ले दिनों जिले के अपर कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी अभय सिंह ओहरिया ने सभी निलंबित सचिवों को एक साथ बहाल करते हुए एक पंचायत एक सचिव की मंशा के तहत बहाल किया गया था, ताकि ग्राम पंचायत समय पर खुले और समय तक सचिव कार्यालय में बैठे, लेकिन जिला पंचायत के मुखिया की मंशा, आदेश का कहा कितना असर हुआ है, उसकी एक बानगी घुनघुटी ग्राम पंचायत में लटकता ताला बता रहा है। यहाँ पर जबसे विजय सिंह जी पदस्थ हुए हैं, तब से ताला लगाकर गायब हो गये हैं । कभी भी पंचायत भवन नहीं आते। उनके इस कृत्य से सभी परेशान है, सरपंच को भी काम पडता है तो उन्हें भी छोट तुमी की सैर करनी पडेगी। बताया जाता है कि विजय सिंह जी एक ऐसे सचिव है जिन्हें गोयरा ग्राम पंचायत में अनियमितता के लिए निलंबित किया गया था, लेकिन धन बल के कारण बिना नोटिस जारी किये ही बहाल करते हुए गोयरा की जगह घुनघुटी की कमान थमा दी गई। इस तरह पैसा दो बहाल हो और मनमानी ग्राम पंचायत में जाकर लाखों का वारा न्यारा करो, हमारा हिस्सा हिसाब हमें पहुचाओ का सूत्र जिला पंचायत में लागू हैं। हरदम निलंबन और बहाली जिला पंचायत की काली कमाई का जरिया बना हुआ है। जिले भर के भ्रष्टाचारी सचिव बेधडक कार्यों के नाम पर लीपापोती कर लाखो रूपये शान से उठाते हैं और मन मर्जी का राज कायम कर रखे है, वह जिला पंचायत को म पर लीपापोती कर लाखो रूपये शान से उठाते हैं और मन मर्जी का राज कायम कर रखे है, वह जिला पंचायत के अधिकारियों और उनके आदेशों को कुतके में दे रखें है।

हमारी चेतना जब शुद्ध होगी, तभी हमारा जीवन पवित्र बनेगा– मुनि प्रमाण सागर महाराज

विजय मत, बुढ़ार

1008 भगवान शांतिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज, निर्यापक मुनि प्रसाद सागर महाराज, मुनि शीतल सागर महाराज, मुनि संधान सागर महाराज एवं क्षु. समादर सागर महाराज के संघ सानिध्य में भव्य रूप से संपन्न हुआ।

मुनिसंघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं स्थानीय मीडिया प्रभारी प्रसन्न जैन 'दीपू' ने जानकारी देते हुए बताया कि मोक्षकल्याणक के अवसर पर भगवान ने प्रातः कैलाश पर्वत पर चतुर्थ शुक्लध्यान पूर्ण कर मोक्ष को प्राप्त किया। इस मंगल क्षण पर चतुर्निकाय देवों एवं समस्त श्रद्धालुओं नेहर्षोल्लास के साथ उत्सव को मनाया।

दोपहर में भगवान जिनेन्द्र देव को रथ में विराजमान कर मुनिसंघ के सानिध्य में पंचकल्याणक स्थल की सात फेरियाँ लगाई गईं।तत्पश्चात नवीन जिनालय में अभिषेक के उपरांत प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी अशोक भैया, बाल ब्रह्मचारी अभय भैया,अमित बास्तु के निर्देशन में सभी मांगलिक क्रियाओं के साथ जिनबिंबों को वेदी पर विधिवत विराजमान किया गया तथा दोपहर 2 बजे से नवीन मंदिर में शंका समाधान कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मोक्षकल्याणक के अवसर पर मुनि प्रमाणसागर महाराज ने प्रेरक संदेश देते हुये कहा–

हमारी चेतना जब शुद्ध होगी, तभी हमारा जीवन पवित्र बनेगा। उन्होंने कहा कि भगवान ऋषभ देव ने चतुर्थ शुक्लध्यान के द्वारा सिद्ध अवस्था को प्राप्त किया और हम सभी ने मिलकर मोक्ष कल्याणक मनाया भगवान को तो मोक्ष मिल गया लेकिन हमने अपने जीवन में क्या प्राप्त किया? मुनि श्री ने आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज का एक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि गुरुदेव ने कहा था ÷भगवान मोक्ष चले गए, अर्थात वे 'पास' हो गए और बाकी सब 'फेल' रह गए, और फेल होने वाले एक पास होंने बाले की खुशी को मना रहे हैं।

ग्राम रामपुर में आयोजित किया गया मेडिकल कैंप

विजय मत, धनपुरी

रामपुर बटूरा खुली खदान परियोजना से प्रभावित ग्राम रामपुर में आयोजित किया गया मेडिकल कैंप। सोहागपुर एरिया के रामपुर ओपन कास्ट में जहां एक तरफ कोयला उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है दूसरी तरफ लगातार भू आश्रितों को रोजगार दिया जा रहा है तो वहीं प्रतिमाह रामपुर खुली खदान परियोजना से प्रभावित ग्राम रामपुर के भू विस्थापितों के स्वास्थ्य परीक्षण को लेकर कैंप भी लगाया जा रहा है ताकि यहां पर के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा सके और उन्हें बेहतर सुविधाएं मिल सके।पिछले कुछ महीनो से प्रतिमाह यह मेडिकल कैंप लगाया जाता है जहां पर भू स्वामी एवं भू विस्थापितों एवं उनके परिवार जनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है इस माह भी पंचायत भवन में क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री बी के जेना के निर्देशानुसार रामपुर बतुरा उपक्षेत्रीय प्रबंधक श्री संदीप शर्मा के नेतृत्व में दिनांक 01 मार्च 2026 को डॉ सुहिलन एवं उनकी टीम द्वारा मेडिकल कैंप लगाया गया इस दौरान 129 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और मौके पर उपचार के बाद उन्हें दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई. प्रबंधन के द्वारा जिस तरह से इस मेडिकल कैंप को लगाया जा रहा है आज उसकी हर कोई सराहना कर रहा है क्योंकि यहां के लोगों को सभी प्रकार की सुविधा मिल सके इसे लेकर प्रबंधन निरंतर प्रयासरत रहता है आज अगर देखा जाए तो सिर्फ कोयला उत्पादन ही नहीं बल्कि समीपी ग्रामों में निवासरत ग्रामीणों के प्रति संवेदनशीलता दर्शाते हुए समय-समय पर उनके मनोरंजन हेतु खेलकूद का आयोजन प्रत्येक माह मेडिकल कैंप का आयोजन किया जा रहा है ।

कोल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस-सिमेकॉन 2026 का शुभारंभ

विजय मत, धनपुरी

कोल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस - सिमेकॉन 2026 का शुभारंभ एवं मुख्य सत्र आज दिनांक 01 मार्च 2026 को एसईसीएल, बिलासपुर की मेजबानी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन कोल इंडिया लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री बृजेश कुमार त्रिपाठी तथा एसईसीएल सीएमडी श्री हरीश दुहन के करकमलों से समपन्न हुआ।

इस अवसर पर एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन तथा निदेशक (तकनीकी - योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा कांफ्रेंस स्मारिका का भी अनावरण किया गया।

साथ ही सीएमएस डॉ. श्रुतिदेव मिश्रा एवं डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी, इंदिरा विहार अस्पताल डॉ. अरिहंत जैन सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ चिकित्सक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सिमेकॉन 2026 में कोल इंडिया एवं उसकी विभिन्न सहायक कंपनियों से आए 250 से अधिक चिकित्सकों ने सहभागिता की जा रही है। इसके अतिरिक्त देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों एवं चिकित्सा संस्थानों से आए विशेषज्ञ डॉक्टर भी सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

सम्मेलन के दौरान खनन क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के व्यावसायिक स्वास्थ्य, रोगों की समयबद्ध पहचान, उन्नत चिकित्सा तकनीकों के उपयोग, आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन तथा डिजिटल स्वास्थ्य निगरानी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें नवीन उपचार पद्धतियों एवं स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रभावी मॉडलों पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए गए।वक्ताओं ने अपने संबोधन में ÷हेल्दी माइन्स÷ की अवधारणा को साकार करने हेतु सुदृढ़, आधुनिक एवं संवेदनशील चिकित्सा तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया।सिमेकॉन 2026 ज्ञान-विनिमय, समन्वय एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने का प्रभावी मंच सिद्ध हुआ। एसईसीएल द्वारा सम्मेलन की सुव्यवस्थित एवं सफल मेजबानी संगठन की प्रशासनिक दक्षता एवं प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

अव्यवस्था

सुविधा के अभाव में बिखरा परिवहन तंत्र, जिम्मेदार नहीं दे रहे हैं ध्यान

शहडोल में दशकों पुरानी समस्या:टैक्सी स्टैंड के अभाव से बढ़ती अव्यवस्था

विजय मत, शहडोल

जिला मुख्यालय शहडोल में ऑटो-रिक्शा, मैजिक और अन्य छोटे यात्री वाहनों के लिए समर्पित टैक्सी स्टैंड की कमी लंबे समय से शहर की प्रमुख समस्याओं में गिनी जा रही है। वर्षों से यह मुद्दा उठता रहा है, लेकिन आज तक कोई स्थायी और सुव्यवस्थित स्थान तय नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप ये वाहन शहर के अलग-अलग हिस्सों में अनियोजित ढंग से खड़े दिखाई देते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा रही है और आम नागरिकों को रोजाना असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

रोजाना सड़कों पर उतरते 500 से अधिक वाहन

स्थानीय अनुमान के अनुसार शहर में प्रतिदिन 500 से ज्यादा ऑटो, मैजिक और छोटे टैक्सी वाहन संचालित होते हैं। ये वाहन बस

स्टैंड, रेलवे स्टेशन और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए मुख्य परिवहन साधन बने हुए हैं। सुबह और शाम के व्यस्त समय में इन वाहनों की संख्या और भी अधिक दिखाई देती है। इसके बावजूद इनके लिए कोई निर्धारित पार्किंग या ठहराव स्थल उपलब्ध नहीं है, जिससे चालकों को सड़कों के किनारे ही वाहन खड़ा करना पड़ता है।

चौराहों पर अस्थायी स्टैंड बन रहे बाधा

न्यू बस स्टैंड, बायपास क्षेत्र, रेलवे स्टेशन के आसपास, गांधी चौराहा, बुढ़ार चौराहा और लल्लू सिंह चौराहा जैसे स्थान अब अनौपचारिक स्टैंड का रूप ले चुके हैं। यहां एक साथ कई वाहन खड़े रहने से सड़कें संकरी हो जाती हैं। पैदल यात्रियों को निकलने में कठिनाई होती है, जबकि अन्य वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ जाती है। हाट-बाजार और त्योहारों के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों की भीड़ बढ़ जाती है।

चालकों की मांगें, आश्वासन ही मिला जवाब

ऑटो और मैजिक चालकों का कहना है कि वे कई बार जिला प्रशासन को सामूहिक ज्ञापन सौंप चुके हैं। उनकी मांग है कि एक स्थायी टैक्सी स्टैंड विकसित किया जाए, जहां शेड, पेयजल, बैठने की व्यवस्था और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों। उनका मानना है कि इससे संचालन व्यवस्थित होगा और आय भी स्थिर रह सकेगी। हालांकि अब तक उन्हें केवल मौखिक आश्वासन ही मिला है।

नागरिकों की बढ़ती चिंता

शहरवासियों और नियमित यात्रियों का भी कहना है कि बिखरे हुए वाहनों के कारण जाम, अव्यवस्था और असुरक्षा की स्थिति बनती है। एक केंद्रीकृत स्टैंड बनने से सवारी मिलना आसान होगा और शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार आ सकेगा। लंबे समय से चली आ रही यह समस्या अब भी समाधान की प्रतीक्षा में बनी हुई है।

न्यूज इन शॉर्ट

तीन बच्चो की मॉं ने दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर की आत्महत्या

विजय मत, भोपाल। शहर के कजलीखेड़ा थाना इलाके में रहने वाली तीन बच्चो की मॉं ने डुप्लेक्स की दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह परिजनों ने उसका शव देखने के बाद पुलिस को खबर दी। शुरुआती जॉंच में विवाहिता के पति ने पुलिस को बताया कि घटना से पहले रविवार देर रात उसका पत्नि से मामूली विवाद हुआ था। इसके कुछ देर बाद पत्नि ने मोबाइल चलाने के लिए मांगा। लेकिन उसने उसे मोबाइल नहीं दिया और सोने चला गया। सोमवार सुबह उसे पड़ोसियों से उसकी पत्नि का शव खून से लथ-पथ हालत में पड़े होने की सूचना मिली। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। थाना पुलिस के अनुसार ग्रीन सिटी कॉलोनी में रहने वाली 33 वर्षीय सोनम प्रजापति पति जितेंद्र प्रजापति देव घरेलू महिला थी। उसका पति कारपेंट्री का काम करता हैं। उसका परिवार मूल रूप से जबलपुर का रहने वाला है, और बीते करीब 10 साल से भोपाल में रह रहा था। दंपत्ति के 14 साल की बेटी सहित दो बेटे है। बताया जा रहा है की उसका पति उसके चरित्र को लेकर संदेह करता था। इस बात को लेकर दोनों के बीच आये दिन विवाद होते रहते थे। करीब एक महीने पहले पति ने पत्नि के मोबाइल फोन को तोड़ दिया था। वअ पत्नि के फोन पर किसी से भी बात करने पर एतराज करता था। रविवार रात को उनके बीच मोबाइल की बात को लेकर ही एक बार फिर विवाद हो गया था। झगड़े के कुछ समय बाद पत्नि ने दोबारा पति से उसका मोबाइल फोन मांगा तब पति ने अपना मोबाइल फोन देने से मना कर दिया। इसके बाद पति सोने चला गया। इस बीच उसकी पत्नि सोनम रात को किस समय घर से निकली और छत से नीचे छलांग लगा दी, इसकी जानकारी उसे नहीं है। अगली सुबह किसी ने पत्नि के शव को देखा और उसे खबर दी।

सहायक उपनिरीक्षक की हार्ट अटैक से मौत

विजय मत, भोपाल। खजूरी सड़क थाने में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक संतराम खन्ना (56) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह खजूरी सड़क थाने में पदस्थ थे, और नेहरू नगर पुलिस लाइन में परिवार सहित रहते थे। जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब साढ़े दस बजे ड्यूटी से लौटने के बाद वह आराम कर रहे थे। तभी अचानक उनके सीने में दर्द होने पर परिजन उन्हें इलाज के लिये जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद ही उनकी मौत हो गई। डॉक्टरो का अनुमान है कि उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौपं दिया है। फिलहाल पुलिस पीएम रिर्पोट का इंतेजार कर रही है।

दाह संस्कार से लौटे परिज, फांसी पर लटका नजर आया बेटे का शव

विजय मत, भोपाल। शहर के गांधी नगर थाना इलाके में स्थित शांति नगर पठार में रहने वाले एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। हादसे के समय उसके परिवार वाले अंतिम संस्कार में चले गए हुए। इस दौरान युवक ने अपने घर में फांसी लगा ली। सोमवार अलसुबह परिजन जब वापस घर लौटे तो उन्हें बेटे का शव को फंदे से लटका नजर आया। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर कारणो की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक शांती नगर में रहने वाला सुनील गुजराती पुत्र जगन्नाथ गुजराती (20) मेहनत-मजदूरी का काम करता था। उसके चार भाई और तीन बहन हैं। वह अविवाहित था, उसके घर के आसपास ही अन्य रिश्तेदार भी रहते हैं। सुनील को शराब पीने का शौक था। रविवार रात को उसके परिजन परिचित के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए गए हुए थे। जब वह वापस लौटे तो उन्हें सुनील का शव घर में फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। मौके पर पहुचीं पुलिस को घटनास्थल की जॉच में कोई सुसाइड नोट या अन्य ऐसा सुराग नहीं मिला है, जिससे आत्हमत्या का कारण सामने आ सके। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा जहॉ से बाद मे शव परिजनो को सौपं दिया गया। पुलिस ने घटना स्थिल पर मिलने उसके मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है, जिसे जॉच के लिए भेजा जाएगा। वहीं जॉच टीम का कहना है कि परिजनों के बयानों दर्ज होने के बाद ही खुदकुशी का कारण साफ हो सकेगा। फिलहाल पुलिस प्रेम प्रसंग सहित अन्य सभी बिंदुओ पर भी जांच कर रही है।

तीन स्थानों पर हुई चाकूबाजी की वारदाते

विजय मत, भोपाल। राजधानी के छोला मंदिर, जहांगीराबाद और अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में तीन स्थानों पर चाकूबाजी की वारदाते सामने आई है। तीनों ही मामलों में संबधित थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

चोर के कंधे पर बर्थडे मनाने वाला टीआई निलंबित

आपराधियों के साथ गलबहियां करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : मोहन

विजय मत, भोपाल

मुरैना के जौरा थाना प्रभारी दर्शन शुक्ला को एक कथित अपराधी के साथ जन्मदिन मनाने का वीडियो वायरल होने के बाद निलंबित कर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त कार्रवाई करते हुए साफ किया कि कर्तव्य में लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपराधियों के साथ जन्मदिन मनाने वाले मुरैना जिले के जौरा थाना प्रभारी दर्शन शुक्ला को निलंबित कर दिया है। थाना प्रभारी का एक अपराधी के साथ जन्मदिन मनाने का वीडियो वायरल होने के बाद यह कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस कार्रवाई के साथ ही साफ संदेश

दिया है कि कर्तव्य में लापरवाही और आपराधियों के साथ गलबहियां करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें मुरैना जिले के जौरा थाना प्रभारी दर्शन शुक्ला का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो गया। इस वीडियो में थाना प्रभारी बाइक चोर गिरोह के एक कथित सरगना लवकुश शर्मा के साथ अपने जन्मदिन मनाते दिख रहे हैं। वह लवकुश के कंधे पर बैठे नजर आ रहे हैं। यह वीडियो थाना परिसर में मनाते समय का है। इसमें केक काटा गया और ढोल नगाड़े पर आरोपी थाना प्रभारी को कंधे पर बैठा कर चलते नजर आ रहा है। इसमें पुलिस के साथ कई लोग दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के वायरल होने और मुख्यमंत्री को सूचना मिलने के बाद उन्होंने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद मुरैना एसपी कार्यालय ने थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो 28 फरवरी 2026 का है। इसमें कथित अपराधी लवकुश शर्मा दिखाई दे रहा है, जिस पर बाइक चोरी एवं जौरा थाना क्षेत्र में शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने संबंधी अपराध दर्ज है।

शुक्ला के बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर रोक

शुक्ला को निलंबित करने के आदेश में कहा गया कि उनके आचरण से पुलिस की निष्पक्ष छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उनका आचरण मध्य प्रदेश पुलिस रैग्युलेशन के पैरा 64(3)(11) स्पष्ट उल्लंघन है। निलंबन अवधि में दर्शन शुक्ला का मुख्यालय रक्षित केन्द्र, मुरैना रहेगा तथा वह रक्षित केन्द्र मुरैना की प्रत्येक गणना में उपस्थित रहेंगे और लिखित अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेगे। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

अब डीएलएड की पढ़ाई होगी महंगी

संबद्धता शुल्क में 50 हजार की बढ़ोतरी

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने सभी प्रकार के परीक्षा से लेकर संबद्धता, नवनीकरण सहित डुप्लीकेट अंकसूची तक की फीस में भारी बढ़ोतरी की है। यह फीस 25 से लेकर 80 फीसदी तक बढ़ाई है। माशिमं ने इसके आदेश जारी कर दिए है। प्रदेश के 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों पर भारी भरकम फीस का बोझ डाल दिया है। प्राथमिक शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए डीएलएड (डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन) की पढ़ाई अब महंगी होने जा रही है। मंडल ने परीक्षाओं के साथ-साथ डीएलड संबद्धता शुल्क में भी वृद्धि कर दी है।

मंडल के नए निर्णय के अनुसार डीएलएड संस्थानों को संबद्धता प्राप्त करने के लिए अब पहले से 50 हजार रुपये अधिक शुल्क देना होगा। अब तक इन संस्थानों को संबद्धता के लिए डेढ़ लाख रुपये शुल्क देना पड़ता था, जिसे बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दिया गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर डीएलएड कालेजों पर पड़ेगा। संस्थान प्रबंधन का कहना है कि बढ़ी हुई राशि का भार अंततः विद्यार्थियों पर ही डाला जाएगा, जिससे पाठ्यक्रम की फीस में बढ़ोतरी होना तय माना जा रहा है।

बता दें, कि प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए डीएलएड पाठ्यक्रम अनिवार्य किए जाने के बाद से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ी है। वर्तमान में करीब 30 हजार विद्यार्थियों की संख्या है।

डीएलएड परीक्षा शुल्क भी बढ़ाया: माशिमं ने डीएलएड की परीक्षा शुल्क भी बढ़ा दिया है। नियमित विद्यार्थी को सभी विषयों के लिए सात हजार रुपए देना होंगे, जबकि दूसरे अवसर के लिए दो विषय तक तीन हजार, चार तक के पांच और चार से अधिक विषय के लिए सात हजार रुपये शुल्क लगेगा।

निजी स्कूलों का संबद्धता शुल्क बढ़ाया गया: वहीं हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की संबद्धता लेने के लिए सरकारी और निजी स्कूलों की फीस अलग-अलग तय की गई है।

बदले जाएंगे भोपाल समेत कई जिलों के कलेक्टर

मध्य प्रदेश में होली के बाद बड़े प्रशासनिक बदलाव की तैयारी

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में एसआईआर की कवायद पूरी होने के बाद अब जनगणना शुरू होनी है। इसको देखते प्रदेश सरकार जिलों में नए सिरे से अधिकारियों की तैनाती करना चाह रही है। कुछ जिलों में कलेक्टरों का कार्यकाल दो साल से अधिक हो चुका है। साथ ही कुछ जगह अधिकारियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर हटाने की चर्चा है। इससे पहले एसआईआर और विधानसभा सत्र के चलते अधिकारियों के तबादला को लेकर सरकार निर्णय नहीं ले रही थी, लेकिन अब सरकार इसे प्राथमिकता देते हुए जल्द ही जारी कर सकती है। चर्चा है कि इस माह के दूसरे सप्ताह में सरकार तबादला सूची जारी कर सकती है। चर्चाओं के अनुसार, भोपाल, ग्वालियर, धार और शहडोल समेत कई जिलों के कलेक्टर इस फेरबदल की जद में हो सकते हैं। 2010 बैच के आईएएस अधिकारी और भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह सेक्रेटरी रैंक में आ गए हैं, उनको मंत्रालय में पदस्थ किया जा सकता है। वहीं, 2011 बैच की आईएएस और ग्वालियर कलेक्टर रूचिका चौहान अगले साल सेक्रेटरी रैंक में आ जाएंगी। इसके अलावा कई कलेक्टर अपने कार्यकाल का दो साल पूरा कर चुके हैं। साथ ही कुछ को उनके परफार्मेंस के आधार पर दूसरी जगह ट्रांसफर किया जा सकता है।

ये कलेक्टर हो सकते हैं इधर से उधर

जानकारी के अनुसार धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, शहडोल कलेक्टर केदार सिंह, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना, शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र चौधरी, रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल सिंह और नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना को इधर से उधर किया जा सकता है। वहीं, मोहन सरकार लंबे समय से जमे अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से मिली शिकायतों के सत्यापन के बाद अधिकारियों को हटा कर उनकी जगह युवा और नए अधिकारियों को जिलों की कमान सौंप सकती है।

दूसरे राज्यों की तरह प्रदेश का संगठन महामंत्री पद भी रह सकता है खाली

फिलहाल पार्टी किसी को महामंत्री बनाने के मूड में नहीं आ रही नजर

विजय मत, भोपाल

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पद से हितानंद शर्मा की रवानगी के बाद अभी तक इस पद पर किसी की नियुक्ति नहीं होना इस बात का संकेत दे रहा है कि दूसरे राज्यों की तरह भाजपा प्रदेश में भी बिना संगठन मंत्री के पार्टी के कामकाज को बढ़ावा देना चाहती है। पार्टी ने जिस तरह से मंडल से लेकर संभाग तक प्रभारी घोषित कर दिए हैं, उससे यह संभावना और प्रबल हो गई है। मध्यप्रदेश में वर्षो से चली आ रही प्रदेश संगठन महामंत्री की परंपरा अब समाप्त होने वाली है। एक समय था जब प्रदेश संगठन महामंत्री के निर्णय ही अहम माने जाते हैं, लेकिन अब पार्टी को फ्री हैंड देने संबंधी कवायद के चलते यह पद समाप्त किया जा सकता है। इसके पहले संघ से आए पदाधिकारियों को संभागीय संगठन मंत्री जैसा दायित्व दिया जाता था और एक तरह से पार्टी की तरफ से ये भाजपा पर कमान रखते थे, लेकिन पिछले कई सालों से इन पदों पर कोई नियुक्ति होने से पार्टी के साफ संकेत नजर आ रहे है कि संघ का दखल अब भाजपा में कम होने लगा है। संभागीय संगठन मंत्री का काम पार्टी के नेताओं में समन्वय बनाने का रहता था, लेकिन पिछले कुछ सालों में देखा गया कि इन्हीं के गुट पार्टी में पनपने लगे थे, जिसकी शिकायत ऊपर तक पहुंची थी, वहीं यह स्थिति प्रदेश संगठन महामंत्री के रूप में भी देखने को मिली। इस पद से हितानंद शर्मा की रवानगी के बाद अब शीर्ष नेतृत्व इस पद पर किसी को भी नहीं बिठाना चाह रहा है। फिलहाल तो इसका प्रभार अजय जामवाल जैसे नेता देख रहे हैं, जिन्हें दो राज्य दिए गए हैं। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा तथा सरकार के बीच वे बखूबी तालमेल निभाते आ रहे हैं, वहीं केन्द्र की ओर से एक राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री भी प्रभारी बनाकर भेजा जाता है। दूसरी ओर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने संभाग प्रभारियों के रूप में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों को प्रभार सौंपा है तो जिला प्रभारियों के रूप में कई वरिष्ठ नेताओं को जवाबदारी दी गई है।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत् थाना ईंटखेड़ी क्षेत्र में फ्लैग मार्च

विजय मत, भोपाल

पुलिस अधीक्षक राम शरण प्रजापति के निर्देशन में आगामी त्यौहारों होली, धुलेंडी, रंगपंचमी एवं रमजान को दृष्टिगत रखते हुए थाना ईंटखेड़ी क्षेत्र में एसडीओपी ईंटखेड़ी सुश्री मंजू चौहान के नेतृत्व में थाना प्रभारी ईंटखेड़ी आशीष सप्रे द्वारा थाना ईंटखेड़ी के बल एवं Police Training School Bhauri के बल के साथ फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने क्षेत्र के प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण किया तथा आमजन से त्यौहारों को सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने एवं संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु कहा गया। इसी क्रम में जिले के अन्य थानों के संवेदनशील क्षेत्रों में भी पुलिस बल द्वारा फ्लैग मार्च किया जा रहा है, जिससे कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे एवं नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास बना रहे। जिला भोपाल (देहात) पुलिस शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सतत प्रतिबद्ध है।

विवादों के कारण कई जिलों की कार्यकारिणी अटकी

कुलीनों के कुनबे में विवाद...प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंची शिकायतें

विजय मत, भोपाल

कुलीनों का कुनबा कहे जाने वाली भाजपा में जिलों की कार्यकारिणी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। आलम यह है कि कई जिलों की कार्यकारिणी घोषित होने के बाद विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। प्रतिनिधित्व और वर्चस्व को लेकर उठी नाराजगी के चलते कार्यकारिणी होल्ड कर दी गई हैं। यही नहीं कार्यकारिणी में उठे विवाद की शिकायतें प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल तक पहुंच रही हैं। मंत्री-विधायकों के समर्थकों की उपेक्षा के आरोपों ने सियासत का तापमान बढ़ा दिया है। दिलचस्प तथ्य यह है कि भाजपा ने अगस्त में हर जिले में ऑब्जर्वर भेजकर वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं से चर्चा की थी। इसके बाद भी ज्यादातर जिला कार्यकारिणी में विवाद सामने आए थे। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या ऑब्जर्वर की रिपोर्ट वास्तविक असंतोष को दर्ज करने में असफल रही, या फिर शीर्ष नेतृत्व स्थानीय दबावों को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर पाया। प्रदेश भाजपा ने पिछले साल साल जनवरी में 62 जिला अध्यक्षों का चयन कर दिया था। ग्वालियर, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन और भोपाल में शहर और ग्रामीण के अलग-अलग जिला अध्यक्ष हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भाजपा के लिए राजनीतिक नियुक्तियां भी एक चुनौती हैं। निगम, मंडल, बोडों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष और जिलों में दीनदयाल अंत्योदय समितियों में पदाधिकारियों की नियुक्तियां होनी हैं। इनकी चर्चा लंबे समय से है, पर अब निर्णय नए अध्यक्ष और सरकार के समन्वय से होना है। इसकी प्रक्रिया कब प्रारंभ होगी और किसे मौका मिलता है, इसमें खंडेलवाल की कार्यशैली दिखाई देगी।

एम्स भोपाल ने जन-सहभागिता एवं शैक्षिक गतिविधियों के साथ दुर्लभ रोग जागरूकता दिवस मनाया

विजय मत, भोपाल

एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए दुर्लभ रोगों के प्रति जागरूकता और समय पर पहचान अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से एम्स भोपाल के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रेयर डिजीजेस द्वारा 27 फरवरी को रेयर डिजीज अवेयरनेस डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में दुर्लभ रोगों के प्रति समझ विकसित करना तथा शीघ्र निदान एवं उपचार के महत्व को रेखांकित करना था। इस कार्यक्रम में एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर उन्होंने दुर्लभ रोगों के लिए संस्थान में जांच एवं उपचार सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समय पर पहचान और उन्नत चिकित्सीय हस्तक्षेप से दुर्लभ रोगों से पीड़ित मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार

संभव है, और एम्स भोपाल एक ही छत के नीचे समग्र सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रेयर डिजीजेस के नोडल अधिकारी ने संस्थान में संचालित पहलों की जानकारी दी, जिनमें राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति के अंतर्गत एनपीआरडी पंजीकरण, जेनेटिक काउंसलिंग, रोगी सहायता सेवाएं तथा राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ समन्वय शामिल है। आमजन और स्वास्थ्यकर्मियों को उपलब्ध उपचार विकल्पों एवं देशभर के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस केंद्रों की जानकारी देने के लिए शैक्षणिक सामग्री और जागरूकता पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए।

कांग्रेस का सरकार पर बड़ा आरोप, नायक बोले- जल संसाधन विभाग में परसेंटेज राज, डेढ़ साल से टेंडर ठप

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस ने जल संसाधन विभाग में कथित परसेंटेज मॉडल और फिक्स टेंडर सिस्टम को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक और प्रदेश प्रवक्ता राहुल राज ने प्रेस वार्ता में दावा किया कि बड़े टेंडरों में कमीशन आधारित साठगांठ का तंत्र सक्रिय है और पिछले करीब डेढ़ वर्ष से नए बड़े टेंडर नहीं लगना इसी का परिणाम हो सकता है।

फर्जी बिलिंग और गुणवत्ता पर प्रश्न: कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ प्रोजेक्ट्स में साइट पर सामग्री पहुंचे बिना भुगतान निकाले जाने और छ्व्र पाइप की जगह ।।छ्वक्क्ष पाइप

बिछाने जैसी शिकायतें मिली हैं। साथ ही रू घोषित होने के बाद 2त्न तक की अनिवार्य कटौती का भी दावा किया गया। कृषि वर्ष बनाम जमीनी हकीकत सरकार द्वारा सिंचाई रकबा बढ़ाने और कृषि वर्ष घोषित करने के दावों के बीच कांग्रेस ने सवाल उठाया कि यदि टेंडर प्रक्रिया ठप है तो परियोजनाएं कैसे पूरी होंगी और किसानों तक पानी कैसे पहुंचेगा।

जांच की मांग: कांग्रेस ने 2023-24 के सभी टेंडरों की उच्चस्तरीय और स्वतंत्र जांच, सार्वजनिक दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच तथा कथित संदिग्ध परिसरों की पड़ताल की मांग की है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह मामला केवल टेंडर का नहीं, बल्कि पारदर्शिता, युवाओं के रोजगार और किसानों के भविष्य से जुड़ा है।

300 करोड़ से ऊपर के टेंडरों पर सवाल

कांग्रेस का आरोप है कि 300 करोड़ से अधिक लागत वाले प्रोजेक्ट्स में पहले से प्रतिशत तय किए जाते हैं। कथित रूप से बिचौलियों के जरिए विभागीय और उच्च स्तर तक कमीशन का नेटवर्क काम करता है। यदि तय "हिसाब" पूरा न पहुंचे तो टेंडर प्रक्रिया प्रभावित होती है। प्रेस वार्ता में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से जुड़े कुछ नामों और संबंधों पर भी सवाल उठाए गए, हालांकि इन आरोपों पर संबंधित पक्ष की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

विजय मत एंकर आधी राशि राज्य सरकार वहन करेगी, आधी स्थानीय नागरिकों के सहयोग से जुटाई जाएगी

अब जनभागीदारी मॉडल से होगा शहरों का विकास

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में अब शहरों के मोहल्लों और कॉलोनियों की सडक़ों तथा नालियों का निर्माण जनसहभागिता मॉडल पर किया जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत ऐसे कार्यों में आधी राशि राज्य सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 50 प्रतिशत राशि स्थानीय नागरिकों के सहयोग से जुटाई जाएगी। यह राशि एकत्र करने की जिम्मेदारी संबंधित नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद की होगी। इसके अलावा भूखंडों पर हरियाली ज्यादा होने पर सरकार भवन या भूखंड मालिक को अतिरिक्त निर्माण के लिए ग्रीन एफएआर मंजूरी भी दी जाएगी। जानकारी के अनुसार, विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों से राय लेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष और महापौर से पूछा जाएगा कि वे किस प्रकार की प्लानिंग जनभागीदारी से करना चाहते हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में शहरीकरण तेजी से हो रहा है। बड़े शहरों के आसपास नई-नई कालोनियां बन रही हैं। इनमें अधोसंरचना विकास से जुड़े कामों को लेकर आमतौर पर शिकायतें आती हैं। नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि सभी काम एक साथ करवाए जा सकें, इसलिए जन सहयोग से काम कराए जाएंगे। इसके लिए जनभागीदारी का नया माडल लागू किया जाएगा। इसमें निकायों को विशेष फंड दिया जाएगा, जो पांच करोड़ रुपये तक हो सकता है। स्थानीय लोगों को कितनी राशि लगानी होगी, इसका निर्धारण जन प्रतिनिधियों और मैदानी अधिकारियों से परामर्श के बाद किया जाएगा

ताकि रहवासियों को सुविधाएं मिले

दरअसल, इस माडल को प्रभावी तरीके से लागू करने के पीछे उद्देश्य यही है कि रहवासियों को सुविधाएं मिल जाएं और निकायों पर अधिक वित्तीय बोझ भी न आए क्योंकि निकायों की आर्थिक स्थिति खराब है। कई निकायों के लिए वेतन-भत्ते बांटना ही मुश्किल हो रहा है। ये अधोसंरचना विकास के काम के लिए पूरी तरह सरकार पर निर्भर हो गए हैं, जबकि इन्हें टैक्स लगाकर वसूलने के अधिकार दिए गए हैं पर स्थिति ठीक नहीं है। एकीकृत टाउनशिप पालिसी के कारण स्थितियों में सुधार होगा।

अभी क्षेत्र के हिसाब से राशि लेने का प्रविधान

प्रदेश में मुख्यमंत्री जनभागीदारी योजना में अभी क्षेत्र के हिसाब से राशि लेने का प्रविधान है। गरीब बस्ती में 25 प्रतिशत और संपन्न व अपर मिडिल क्लास वाले क्षेत्रों में 50 प्रतिशत राशि ली जाती है। इस प्रविधान को नए सिरे से तय किया जाएगा। जनभागीदारी केवल राशि नहीं बल्कि सामग्री के रूप में भी हो सकती है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि वर्ष 2003-04 के 36 करोड़ रुपये लगाकर 150 किमी लंबाई की कांक्रीट की सडक़ें बनाई गई थीं। जनभागीदारी के रूप में सीमेंट ली गई थी। अब यह तय किया जा रहा है कि जो नगर निगम, नगर पालिका या नगर परिषद जनभागीदारी से कोई भी काम करेगी, उसे विशेष फंड दिया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि इस योजना में पचास प्रतिशत राशि की व्यवस्था निकायों को करनी होगी।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

केजरीवाल संबंधी निर्णय संकेत,सन्देश और सियासत

दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने पिछले दिनों विवादित दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने सीबीआई द्वारा अदालत में पेश किये गये सबूतों को कमज़ोर और अपर्याप्त बताया और कहा कि आरोपियों की कोई आपराधिक साज़िश या इरादा साबित नहीं हुआ। अदालत ने कहा कि केवल दावे पर्याप्त नहीं होते बल्कि ठोस सबूत होने भी ज़रूरी हैं। अदालत ने कहा कि चार्जशीट में ख़ामियां हैं और कोई साक्ष्य भी नहीं मिला। इस अदालती फ़ैसले के बाद राजनैतिक हल्क़ों में हलचल तेज़ हो गयी है। ग़ौरतलब है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने नवंबर 2021 में नई आबकारी नीति लागू की थी। इस नीति का उद्देश्य शराब की बिक्री का निजीकरण कर ग्राहक सुविधा बढ़ाना और शराब की काला बाज़ारी रोकना बताया गया था। परन्तु जुलाई 2022 में मुख्य सचिव की रिपोर्ट में प्रक्रियागत ख़ामियां , मनमाने फ़ैसले और 500 करोड़ से अधिक का नुक़्सान बताते हुए दिल्ली के तत्कालीन एल जी, वी के सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफ़ारिश की।

उस समय केंद्र सरकार की अधीनस्थ संस्थाओं सीबीआई और ईडी द्वारा यह आरोप लगाया गया कि दिल्ली सरकार के तत्कालीन आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा इस नयी आबकारी नीति को निजी शराब कंपनियों को फ़ायदा पहुंचाने के लिए तैयार किया गया था। जिसमें 100 करोड़ के कैशबैक आम आदमी पार्टी के कई नेताओं को मिले। तत्कालीन मुख्य मंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस पूरे मामले का मुख्य साज़िशकर्ता बताया गया। इसके बाद जुलाई 2022 में एलजी की सिफ़ारिश से ही अगस्त में सीबीआई व ईडी द्वारा केस रजिस्टर्ड किया गया तथा सितंबर में नयी आबकारी नीति रद्द कर दी गयी । इसी के बाद फ़रवरी 2023 में मनीष सिसोदिया को और मार्च 2024 में केजरीवाल को गिरफ़्तार कर लिया गया। अब जहाँ संबंधित अदालत द्वारा केजरीवाल व सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया गया हैं वहीं ख़बर यह भी है कि निचली अदालत के इस फ़ैसले को चुनौती देने हेतु सी बी आई संभवतः हाई कोर्ट का रुख़ कर सकती है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

चंद्र ग्रहण एक खगोलीय महाकाव्य

सुरेश सिंह बैस

3 मार्च 2026 मंगलवार -बुधवार की दरमियानी रात्रि को विलक्षण खगोलिक घटनाक्रम के तहत पड़ने वाले पूर्ण चंद्र ग्रहण 3 मार्च 2026 को पृथ्वी के साये में चाँद के प्रवेश का वह मौन, वरदान-सा क्षण होगा जब आकाश अपने रंगों से खेलता है और चंद्रमा निकल-चमक कर ÷रक्तिम पूर्णिमा÷ का दृश्य प्रस्तुत करता है । जिसे खगोल विज्ञान में ब्लड मून कहा जाता है। ऐसा होने का कारण यह है कि जब चंद्रमा पृथ्वी की उम्ब्रा (गहरी छाया) में प्रवेश करता है, तो पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य की किरणों को वक्रित करता है और केवल लाल-लाल प्रकाश चंद्रमा पर पहुँचता है ।जिससे उसका रंग लाल-सी दिखाई देता है।

लगभग दोपहर से संध्या तक ग्रहण जारी रहेगा। पूर्ण ग्रहण की अवधि- करीब 58 मिनट तक पूर्णता रहेगी। दुनिया में दृश्यता- पूरी रात की तरफ़ पृथ्वी पर जहाँ चाँद दिखाई दे, वहाँ इस ग्रहण को देखा जा सकेगा। भारत सहित एशिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कई अन्य क्षेत्रों में यह देखा जा सकेगा।चंद्रमा के सटीक संरेखण के कारण होता है। सूर्य ग्रहण के विपरीत, चंद्र ग्रहण को दुनिया के अधिकतर हिस्सों से देखा जा सकता है जहाँ यह रात है, क्योंकि चाँद पूरे पृथ्वी के पूरे अँधेरे साइड पर चमकता हुआ दिखता है। भारत में भी यह ग्रहण पूरी तरह दिखाई देगा, और खास रूप से दक्षिण-पूर्वी समय में, जैसे कि चाँद क्षितिज पर ऊँचा उठ रहा होता है या पूर्ण रूप से दिखाई दे रहा होता है, इसका सुन्दर लाल रंग देखा जा सकता है।

ब्रह्माण्ड की इस अद्भुत घटना की वैज्ञानिक प्रक्रिया अत्यंत स्पष्ट है- जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आती है, तो इसकी छाया चंद्रमा पर पड़ती है। पृथ्वी की छाया के दो भाग होते हैं- पेनुम्ब्रा ङ्क हल्की छाया। उम्ब्रा ङ्क गहरी छाया। पूर्ण ग्रहण तब होता है जब चाँद पूरी तरह से उम्ब्रा में डूब जाता है। यह गणितीय रूप से अपेक्षाकृत विनीत, परन्तु दृश्य रूप से अत्यंत प्रभावी क्षण है।भारतीय पंचांग परंपरा में ग्रहण के समय को सूतक काल कहा जाता है। वह अवधि जो ग्रहण के पूर्व से प्रारंभ होकर ग्रहण के बाद थोड़ी देर तक मान्य होती है। इस दौरान कुछ कार्य (जैसे वस्त्र धोना, नहा-धोना, भोजन बनाना, शुभ कार्य आदि) विलंबित माने जाते रहे हैं। वैदिक ज्योतिष में सूर्य-चंद्र ग्रहण को आत्म-चिंतन, ध्यान-धारणा और मन की शान्ति का अनुकूल समय भी बताया गया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

होलिका-दहन पर वामपंथी कलुष

कैलाश चन्द्र

होलिका और हिरण्यकश्यप भारतीय चेतना में सदियों से गुरुकुलों की शिक्षा पद्धति में शस्त्र और शास्त्र काम अध्ययन करने के बाद अहंकार वशिभूत होकर अधर्म के प्रतीक बने हैं और भक्त प्रह्लाद सत्य का। जो लोग इस सबसे सरल सत्य को भी सामाजिक न्याय के चश्मे से विकृत कर देते हैं, वे न्याय के नहीं–भारतीय समाज को भीतर से तोड़ने वाले मानसिक उपनिवेशवाद के वाहक हैं। अपनी चेतना में स्मृति को पुनः प्रखर करने की है। परंपरा को आधुनिक राजनीतिक सिद्धांतों के फ्रेम में कैद करने की जगह उसके कालातीत संदेश को समझने की है। यह लड़ाई केवल एक कथा की नहीं, बल्कि भारतीय तत्वज्ञान, वांगमय, दर्शन की और वैचारिक संप्रभुता की लड़ाई है।होलिका का जलना किसी स्त्री का दहन नहीं– अत्याचार, असहिष्णुता, अधर्म, अनीता और असत्य का दहन है। उसका अंत किसी समाज पर अत्याचार से कम नहीं है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति पर जितने हमले बाहरी आक्रान्ताओं ने नहीं किए, उससे कहीं अधिक गहरे, कहीं अधिक धूर्त हमले आज के वैचारिक उपनिवेशवादियों ने किए हैं। यह हमला तलवारों का नहीं, शब्दों का है; यह आक्रमण सीमाओं का नहीं, स्मृति का है। आज जो लोग होली, होलिका-दहन और प्रह्लाद की कथा को ब्राह्मणवाद द्वारा एक दलित नारी को जलाए जाने की घटना बताकर प्रस्तुत करते हैं, वे न परंपरा जानते हैं, न कथा समझते हैं–वे बस भारत की सांस्कृतिक संचेतना को उसकी अपनी कहानी से काट देना चाहते हैं।होलिका की कथा जितनी सरल है, उतनी ही गहन भी। कश्यप ऋषि और दिति की पुत्री, दिति की संतानों को, स्वाभाव वैचित्र्य के कारण दैत्य कहा गया है। सम्पूर्ण कथा श्रीमद्भागवत पुराण में बहुत विस्तार से कही गई है। भारत वर्ष में होनी वाले सर्वाधिक कथाओं में समस्त भागवताचार्य अपनी कथा को यहीं से प्रारम्भ करते है। इस आधार पर दैत्यकुल की राजकुमारी, वप्रीचिति की पत्नी और स्वरभानु की माता–यह एक संपूर्ण दैत्यवंशी, राक्षसी चरित्र है। उसका भाई हिरण्यकश्यप न केवल राजा था, बल्कि एक अत्याचारी, अहंकारी और असुर-प्रवृत्ति वाला शासक था। उसके सामने किसी शोषित समुदाय की कथा गढ़ना या उसे दलित नारी उत्पीड़न में बदल देना केवल अज्ञान नहीं–एक सुनियोजित बौद्धिक छल है, जो भारतीय मिथकीय चेतना को वर्गीय, जातीय और जेंडरवादी चश्मे से दूषित करना चाहता है।

यहाँ सत्य सरल है- होलिका किसी अबला स्त्री की कथा नहीं। वह वरदान से सशक्त, छल से प्रेरित और अधर्म की सहायक है। ब्रह्मा ने उसे अग्नि-प्रतिरोध का वरदान दिया, परंतु वह वरदान धर्म-विरोधी कर्मों के लिए नहीं था। जब वह प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठती है, तो उसका जलना कर्मफल है–अन्याय का अंत, अधर्म की पराजय और सत्य की विजय। यही पुराणों का स्वर है, यही भारतीय संस्कृति की जीवंतता का मूलाधार है।पर आज इस कथा को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करने वाले Cultural Mar&ism के प्रशिक्षित कार्यकर्ता इसे ब्राह्मणों द्वारा स्त्री-दहन का उदाहरण बताते हैं। उनकी चाल पुरानी है–हर परंपरा को उत्पीड़न का प्रमाण बनाओ, हर कथा को वर्ग-संघर्ष के फ्रेम में फिट करो, हर मूल्य को अपराधबोध में बदलो। वे राक्षसी को पीड़िता बनाते हैं, दैत्यकुल को जाति-समूह कहते हैं, और धर्म-अधर्म की अनन्त कथा को सत्ता-विरोध का रंग देकर विकृत करते हैं। यह वही मानसिकता है जो श्रीराम को साम्राज्यवादी, श्रीकृष्ण को चालबाज, माता दुर्गा को पीड़ित स्त्री और श्रीगणेश को मज़ाक का पात्र बनाती है। यह वही विचारधारा है जो हमारे महापुरुषों, त्योहारों और प्रतीकों को अपने राजनीतिक एजेंडे की प्रयोगशाला बनाती है।

होलिका-दहन का अर्थ किसी व्यक्ति, कुल और जाति का दमन नहीं, बल्कि जीवन में नकारात्मकता के दहन का संदेश है। यह नव वसंत का, नवहर्ष का, नई शुरुआत का और सत्य के धारण एवं संरक्षण का पर्व है। इसमें प्रह्लाद की विजय, भक्ति की शक्ति और अधर्म के अंत का संदेश है। इसे महिला-विरोध, किसी समाज का-विरोध या सत्ता-विरोध की कहानी में बदलना हमारी परंपरा का नहीं–हमारी स्मृति का अपमान है।भारतीय समाज को बाँटने के लिए आज जो थिएटर ऑफ एब्सर्ड रचा जा रहा है–कि हिरण्यकश्यप शूद्र था, शूद्र तप नहीं कर सकते, गुरुकुल नहीं जा सकते–वह इतिहास का नहीं, वैचारिक क्षुद्रता का प्रमाण है। जिन लोगों ने न शास्त्र पढ़े, न पुराण समझे, वे आज सोशल मीडिया की आधी-अधूरी जानकारी से एक संपूर्ण सभ्यता को अपराधी सिद्ध करने में लगे हैं।

वास्तविकता यह है कि होलिका और हिरण्यकश्यप भारतीय चेतना में सदियों से गुरुकुलों की शिक्षा पद्धति में शस्त्र और शास्त्र काम अध्ययन करने के बाद अहंकार वशिभूत होकर अधर्म के प्रतीक बने हैं और भक्त प्रह्लाद सत्य का। जो लोग इस सबसे सरल सत्य को भी सामाजिक न्याय के चश्मे से विकृत कर देते हैं, वे न्याय के नहीं–भारतीय समाज को भीतर से तोड़ने वाले मानसिक उपनिवेशवाद के वाहक हैं।आज आवश्यकता किसी प्रतिक्रिया की नहीं है, और न किसी प्रतिशोध की, बल्कि तथ्यों के पुनःस्थापन की चुनौती है। अपनी चेतना में स्मृति को पुनः प्रखर करने की है। परंपरा को आधुनिक राजनीतिक सिद्धांतों के फ्रेम में कैद करने की जगह उसके कालातीत संदेश को समझने की है। यह लड़ाई केवल एक कथा की नहीं, बल्कि भारतीय तत्वज्ञान, वांगमय, दर्शन की और वैचारिक संप्रभुता की लड़ाई है।होलिका का जलना किसी स्त्री का दहन नहीं– अत्याचार, असहिष्णुता, अधर्म, अनीता और असत्य का दहन है। उसका अंत किसी समाज पर अत्याचार का नहीं, बल्कि अधर्म की पराजय का उत्सव है। इसे विकृत कर प्रस्तुत करना एक ऐसी वैचारिक बीमारी है जिसमें संस्कृति को अपराधबोध से भरकर समाज को विवेकहीन बनाया जाता है।आज, भारत की सभ्यता इस आक्रमण को पहचान चुकी है। वह जानती है कि हमारी परंपराएँ हिंसा की नहीं, समरसता की उपज हैं। होलिका-दहन उसी समरसता का उत्सव है–अहंकार के अंत और सत्य के आरंभ का पर्व। इसे किसी राजनीतिक चश्मे से देखना और किसी आधुनिक विचारधारा में फँसाकर प्रस्तुत करना केवल भ्रम नहीं, सांस्कृतिक अपराध है।आज ज़िम्मेदारी हमारी है कि हम इस वैचारिक धुंध में भी स्पष्ट देख सकें और यह कह सकें कि भारतीय संस्कृति को समझने के लिए भारतीयता चाहिए–न कि वह वैचारिक चश्मा जो हर कथा को केवल संघर्ष, हर पात्र को केवल पीड़ित और हर पर्व को केवल अपराध में बदल देता है।

होलिका-दहन पर कलुष केवल परंपरा का नहीं, विवेक का अपमान है। इसे समझना और इस भ्रम को तोड़ना आज केवल सांस्कृतिक कर्तव्य नहीं–राष्ट्रीय आवश्यकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

सामाजिक समरसता और आदर्श जीवन का संदेश है होली उत्सव

रमेश शर्मा

होलिकोत्सव की सभी परंपराएँ अलग अलग घटनाओं से संबंधित हैं। हर घटना की अपनी कहानी और संदेश है । पौराणिक कथाएँ अतीत की घटनाओं का प्रस्तुतिकरण तो हैं ही पर उनमें मानव समाज के निर्माण का संदेश भी है । इसलिए अनेक घटनाओं एक सूत्र में संयोजन यह होलिकोत्सव है। पौराणिक संदर्भ में पहली कथा शिव और शक्ति के मिलन से जुड़ी है । दूसरी कामदेव के भस्म होने के बाद देवि रति के पुनर्मिलन से है। इन दोनों में वासना रहित शुद्ध सात्विक और मिलन का संदेश है । तीसरी कथा त्रेता युग में भगवान विष्णु द्वारा पृथ्वी के अंश धूलि वंदना की मिलती है । चौथी कथा होलिका दहन की है । यही कथा सर्वाधिक प्रचलित है । लेकिन होलिकोत्सव के पूरे आयोजन में इन सभी कथाओं की झलक भी है और संसार के लोक जीवन को आदर्श बनाने का संदेश भी है।

रंग और उमंग के त्यौहार होली में संस्कृति और परंपरा के विविध आयाम है। इसमें समाज जीवन की सात्विकता, सकारात्मकता शैली का संदेश है तो व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक समरसता का भी अद्भुत संदेश है।

होलिका उत्सव फाल्गुन पूर्णिमा को मनाया जाता है। पूर्णिमा से आठ दिन पहले होलिकाष्टक से इस उत्सव का आरंभ होता है। गाय के गोबर से मलरियाँ बनतीं हैं। और फाल्गुन पूर्णिमा को पूजन होता है । पूर्णिमा की शाम को पवित्र स्थान चयन करके एक दंड स्थापित करके पूजन करना होता है । यह स्थान घर के भीतर चौगान या आँगन भी हो सकता है या बाहर कहीं सार्वजनिक मैदान में भी। अग्नि प्रज्वलित करके गेहूँ की बालियाँ सेकीं जातीं हैं और पिछले आठ दिनों से घरों बन रहीं गोबर की मलरियाँ अग्निको समर्पित की जातीं हैं । फिर एक दूसरे को शुभ कामनाएँ देना, गले मिलना होता है । अगले दिन नृत्य गीत, चल समारोह, एक दूसरे के घर जाना, रंग डालना, गुलाल लगाना आदि । यह परंपरा पूरे संसार में एक समान है । कहीं कहीं होलिका अग्नि में नई फसल की बालियाँ सेकने और मलरियाँ बनाने की परंपरा विलुप्त हो गई है । होलिकोत्सव में यह विभिन्न परंपराएँ और पूजन प्रक्रिया अतीत में घटीं विभिन्न घटनाओं का प्रतीक हैं और भविष्य में व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिये अद्भुत संदेश हैं ।

उत्सव के पौराणिक आख्यान

होलिकोत्सव की सभी परंपराएँ अलग अलग घटनाओं से संबंधित हैं। हर घटना की अपनी कहानी और संदेश है । पौराणिक कथाएँ अतीत की घटनाओं का प्रस्तुतिकरण तो हैं ही पर उनमें मानव समाज के निर्माण का संदेश भी है । इसलिए अनेक घटनाओं एक सूत्र में संयोजन यह होलिकोत्सव है। पौराणिक संदर्भ में पहली कथा शिव और शक्ति के मिलन से जुड़ी है । दूसरी कामदेव के भस्म होने के बाद देवि रति के पुनर्मिलन से है। इन दोनों में वासना रहित शुद्ध सात्विक और आत्मीय स्नेह मिलन का संदेश है । तीसरी कथा त्रेता युग में भगवान विष्णु द्वारा पृथ्वी के अंश धूलि वंदना की मिलती है । चौथी कथा होलिका दहन की है । यही कथा सर्वाधिक प्रचलित है । लेकिन होलिकोत्सव के पूरे आयोजन में इन सभी कथाओं की झलक भी है और संसार के लोक जीवन को आदर्श बनाने का संदेश भी है। होलिका दहन की जो कथा सर्वाधिक प्रचलित है उसके अनुसार हिरण्यकश्यपु अपने पुत्र प्रह्लाद को जलाकर मार डालना चाहता था । होलिका उनकी बहन थी । होलिका के पास एक वरदानी चादर थी जिसपर अग्नि कोई प्रभाव नहीं होता था । देवि होलिका भतीजे प्रह्लाद को लेकर चिता में बैठीं, अग्नि प्रज्वलित हुई । तभी चमत्कार हुआ वह चादर प्रह्लाद पर लिपट गई और देवि होलिका का दहन हो गया । यह घटना अवध में घटी । इसका मूल स्थान अवध का हरदोई है । बाद में इस उत्सव के आयोजन का प्रमुख केंद्र अयोध्या बना । प्रह्लाद को बचाने केलिये देवि होलिका ने अपना जीवन उत्सर्ग किया । इसलिये होली माता कहा जाता है और होली की अग्नि और राख दोनों को पवित्र माना जाता है । पूजन होलिका का बलिदान का होता है और उत्सव प्रह्लाद के बचने का मनाया जाता है । सब एक दूसरे को शुभ कामनाएँ देते हैं। तिलक नारायण उपासना का प्रतीक है । इसलिए होली पर एक दूसरे को तिलक लगाया जाता है । भगवान श्रीमन् नारायण की भक्ति की विजय की प्रतीक यह तिथि एक उत्सव के रूप में बदल गई जिसमें बसंत ऋतु का प्रभाव और नई फसलें आने का उल्लास भी जुड़ गया । और यह उत्सव कहीं दस दिन, कहीं पंद्रह दिन और कहीं डेढ़ माह तक विस्तारित हो गया । अवध से होलिकोत्सव पहले पूरे भारत में विस्तारित हुआ और अब दुनियाँ के आधे से ज्यादा देशों में होलिकोत्सव मनाया जाता है ।

सामाजिक समरसता और व्यक्तित्व निर्माण का संदेश

भारत की कोई भी परंपरा निरर्थक नहीं है । व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण का उद्देश्य इन उत्सव परंपराओं में निहित है । होलिकोत्सव की कथाओं और मनाने की रीति में भी यही उद्देश्य है । होलिकोत्सव की आरंभिक दोनों कथाएँ जो शिव और पार्वती के मिलन और कामदेव के भस्म होने की हैं, इनमें वासना रहित प्रेम और मिलन के उल्लास का सात्विक स्वरूप है । वासना रहित सात्विक प्रेम ही जीवन में ऊर्जा देता है। जबकि वासना जीवन का ह्रास करती है। होलिकोत्सव का सबसे बड़ा संदेश सात्विक प्रेम का ही है। इस उत्सव में नारायण द्वारा धूलि की वंदना और शिव द्वारा धूलि को माथे पर धारण करना सूक्ष्मतम पदार्थ के महत्व के स्मरण का प्रतीक है । इसी स्मृति को दूसरे दिन धुलेंडी के नाम से जाना जाता है । एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर गले मिलने का संदेश समाज के समरस स्वरूप का है। इस दिन किसी का चेहरा स्पष्ट नहीं दीखता सब मानों आत्मीयताऔर उल्लास के रंग में एक रूप हो जाते हैं। समाज में कोई क्षण ऐसा अवश्य हो जब न कोई छोटा हो, न कोई बड़ा, न निर्धन, न धनी, न उम्र का कोई बंधन हो और न रंग रूप का कोई भेद । पूरा समाज एक रंग में हो। सब एक दूसरे को देखकर आनंदित हों। सामाजिक समरसता का इससे बड़ा उदाहरण और प्रयास कोई दूसरा नहीं हो सकता । इस उत्सव का दूसरा महत्वपूर्ण संदेश व्यक्तित्व के निर्माण का है। व्यक्तित्व का सृजन गर्भाधान से ही आरंभ हो जाता है । गर्भाधान संस्कार के समय माता के भाव क्या हैं, पिता के भाव क्या हैं और किस वातावरण में बच्चे की परवरिश की जाती है। इसका उदाहरण बालक प्रह्लाद से समझा जा सकता है। माता कयादू ने देवर्षि नारद के आश्रम में रहकर अपने बालक को ऐसे संस्कार दिये जिससे प्रह्लाद एक आदर्श बना। वह सैकड़ो हजारों साल बाद भी सम्मान सहित स्मरण किये जाते हैं। जबकि हिरण्यकश्यपु का व्यक्तित्व विसंगतियों से भरा है। ये विसंगतियाँ उन्हें गर्भाधान की पृष्ठभूमि माता के तनाव से मिलीं। माता दिती का मानसिक तनाव भावना का अतिरेक और पिता कश्यप ऋषि की रोषभरी खीज पुत्र हिरण्याकश्यप में देखी गई। इस त्यौहार की इन कथाओं के माध्यम भारतीय मनीषायों ने जहाँ आदर्श व्यक्तित्व निर्माण का संदेश दिया तो इस त्यौहार को मनाने का तरीका समाज को एक सूत्र में बांध कर रखने का संदेश देता है।

यह त्यौहार रवि की नयी फसल के आने पर मनाया जाता है । फसल के लिये कठोर परिश्रम लगता है ।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8655

1	2		3		4		■	■
■		■		■		■	5	■
6		■	7			■	8	9
	■	10		■	11	12	■	
13			■	■	■	14		
	■	15	16	■	17		■	
18	19	■	20			■	21	
■		■		■		■		■
■	■	22						

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -8654 का हल

अ	प	ना	प	न	■	प	क	ना
रा	ल	■	त	■	ख	स	म	■
ज	■	का	न	न	■	■	जो	श
क	ह	र	■	क	र	ता	र	■
ता	■	ग	■	छे	■	र	■	फ
■	ब	र	ग	द	■	ता	मी	र
द	गा	■	■	न	ज	र	■	मा
■	व	त	न	■	ह	■	पा	ई
फ	त	ह	■	स	र	फ	रो	श

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.59 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	08.30 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.10 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.08 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.22 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.38 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.00 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.15 ब.से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	धनु	01.31 बजे से
		मकर	03.36 बजे से
		कुंभ	05.23 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 62 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 17.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.32 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 10.25 बजे को समाप्त।
करण बव 17.08 बजे तदनन्तर बालव 04.55 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 13.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872637
जूलियन दिन 2461102.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 13
विशेष होलिका दहन, चैतन्य महाप्रभु जयंती, लक्ष्मी जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक		काल	05.42 से	07.13 बजे तक	
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक		लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक	
चर	08.15 से	10.19 बजे तक		उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक	
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक		शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक	
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक		अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक	
काल	01.16 से	02.45 बजे तक		चर	01.19 से	02.51 बजे तक	
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक		रोग	02.51 से	04.22 बजे तक	
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक		काल	04.22 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

संकल्प महोत्सव 2026 भव्यता के साथ संपन्न

अनूपपुर। संकल्प महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा 27 फरवरी को आयोजित संकल्प महोत्सव 2026 गरिमामय एवं भव्य वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं अनुविभागीय अधिकारी कमलेश पूरी ने भी महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।
कार्यक्रम में लोकगायक सुनील मानिकपुरी एवं बॉलीवुड सिंगर स्तुति जायसवाल की प्रस्तुति ने समां बांध दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन में अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

बोध की हत्या के मामले में आरोपी पिता को आजीवन कारावास की सजा

सीधी। अबोध की हत्या के चिन्हित मामले में आरोपी पिता को द्वितीय अपर सत्र न्यायनायलय सीधी के द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। बताया गया दिनांक 29 जनवरी 2024 को सूचनाकर्ता बलजीत सिंह गोड़ पिता स्व. शिवप्रसाद सिंह गोड़ उम्र 65 वर्ष साकिन गिजवार चौकी पथरौला ग्राम गिजवार में अपना खेत देखने गया तो उसे खेत की मेड़ पर लगे पेड़ पर काफी पक्षी इकट्ठे होकर आवाज करते हुए दिखे, तब उसने वहां जाकर देखा तो उसे खेत का पानी निकालने के लिए बनी नाली में मिट्टी और पत्ते से ढका एक बच्चे का हाथ दिखाई दिया, तब बलजीत ने सरपंच एवं आस-पास के लोगों को जानकारी दी और शव मिलने के संबंध में पुलिस चौकी पथरौला में सूचना दी, जिस पर से पुलिस चैकी पथरौला द्वारा मर्ग कायम कर मृत बच्चे के शव का फोटोग्राफ निकालकर शव पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव परीक्षण कराया और मर्ग जांच के दौरान मुखबिर से यह पता लगा कि आरोपी प्रदीप करीब दो साल से एक लड़की को लेकर बिना विवाह किये साथ रह रहा है और कुछ समय पहले उन्हें बच्चा हुआ था, जिस पर विभा, अभियुक्त प्रदीप और उसके परिजनों से पूछताछ की गई। मृत बालक आर्यन सिंह का फोटो विभा सिंह को दिखा कर पहचान कराई गई तो विभा ने मृतक को उसका और प्रदीप का पुत्र होना बताया। तब संपूर्ण मर्ग जांच, साक्षियों के कथन एवं पीएम रिपोर्ट से बालक आर्यन की मृत्यु, मृत्यु पूर्व गला दबाकर मारने से होना पाये जाने तथा शव को जमीन में छिपा कर साक्ष्य को विलोपित कर देना पाये जाने पर आरक्षी केन्द्र मझौली द्वारा धारा 302, 201 भादसं का अपराध क्रमांक 72/2024 पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण को पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरण की श्रेणी में चिन्हित कर विवेचना के निर्देश जारी किये गये। मामले की विवेचना उपनिरी प्रीति वर्मा के द्वारा की गई। मामले की संपूर्ण विवेचना पश्चात अभियोग पत्र तैयार कर न्यायालय मझौली में प्रस्तुत किया गया, जहां से अंतरण पश्चात प्रकरण द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश सीधी की न्यायालय में विचारण हेतु प्राप्त हुआ, जिसके न्यायालयीन सत्र प्रकरण क्रमांक एसटी/71/2024 में शासन की ओर से सशक्त पैरवी करते हुए अपर लोक अभियोजक रमाशंकर दुबे के द्वारा अभियुक्त को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया।

सड़क से सदन तक अपर नर्मदा बांध के खिलाफ आदिवासी हुंकार

बाप विधायक कमलेश्वर डोडियार ने विधानसभा में निरस्तगी की रखी मांग, क्षेत्र के विधायक सांसद आपदा में ढूंढ रहे अवसर - ललन परस्ते

अपर नर्मदा बांध परियोजना शोभापुर अब सिर्फ एक सरकारी फाइल नहीं, बल्कि आदिवासी अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है। डिंडोरी और अनूपपुर के हजारों प्रभावित किसान सड़क पर रहे है, तो उनकी आवाज़ अब विधानसभा तक पहुंच चुकी है। जल-जंगल-ज़मीन पर मंडराते खतरे के बीच भारत आदिवासी पार्टी ने सत्ता के सन्नाटे को तोड़ते हुए संघर्ष का बिगुल फूंक दिया है।

विजय मत, अनूपपुर

अपर नर्मदा बांध परियोजना शोभापुर के खिलाफ लंबे समय से सुलग रहा आदिवासी आक्रोश अब विस्फोटक रूप ले चुका है। डिंडोरी और अनूपपुर जिले के प्रभावित किसानों ने साफ कर दिया है कि वे अपने गांव, जंगल और जमीन को डूबने नहीं देंगे। मध्यप्रदेश की राजनीति में जहां कांग्रेस और भाजपा वर्षों से सत्ता की कुर्सी के इर्द-गिर्द घूमती रहीं, वहीं तीसरे मोर्चे के रूप में भारत आदिवासी पार्टी ने इस मुद्दे को नई धार दी है।जनवरी की 30 तारीख को पुष्पराजगढ़ में विरोध की चिंगारी फूटी रहा है, जब सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार ने ऐलान किया कि यह लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ी जाएगी। अब वही ऐलान मध्यप्रदेश विधानसभा में गूंज चुका है। हजारों परिवारों के विस्थापन, जल-जंगल-ज़मीन की बर्बादी और आदिवासी अधिकारों के कुचले जाने का मुद्दा जब सदन के पटल पर आया, तो क्षेत्र में उम्मीद की लौ जली है कि अब फैसला जनता के पक्ष में भी हो सकता है।

विधानसभा में गरजी आदिवासी आवाज़

भारत आदिवासी पार्टी के इकलौते विधायक कमलेश्वर डोडियार ने विधानसभा में जो सवाल उठाए, वे सत्ता के लिए असहज करने वाले थे। उन्होंने हजारों आदिवासी परिवारों के विस्थापन, पुश्तैनी जमीनों के डूब क्षेत्र में जाने और आजीविका पर पड़ने वाले प्रहार को बेनकाब किया है। यह महज भाषण नहीं था, बल्कि उस दर्द की अभिव्यक्ति थी जिसे वर्षों से फाइलों में दबाया गया है। सदन में उठी यह आवाज़ अब गांव-गांव तक उम्मीद बनकर पहुंच रही है कि शायद इस बार आदिवासी समाज की सुनी जाएगी, न कि उसे फिर से बहला-फुसलाकर चुप कराया जाएगा।

9 मार्च को सागर टोला बनेगा संघर्ष का केंद्र

आगामी 9 मार्च को पड़ोसी जिला डिंडोरी के सागर टोला में विशाल आमसभा होने जा रही है, जहां आंदोलन को नई ऊर्जा मिलेगी,इस आमसभा को भारत आदिवासी पार्टी से राजस्थान के बांसवाड़ा से सांसद राजकुमार रौत और सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार संबोधित करेंगे जिसका संदेश साफ है कि यह लड़ाई अब सिर्फ स्थानीय नहीं रही, बल्कि राज्य और देश के आदिवासी आंदोलन का प्रतीक बन रही है। आयोजनकर्ताओं ने जनता से अपील की है कि भारी संख्या में पहुंचकर इस जनविरोधी परियोजना के खिलाफ एकजुटता दिखाएं जिससे जनता की आवाज बुलंद हो सके।

'कांग्रेस-भाजपा की चुप्पी, आदिवासियों से गद्दारी'

भारत आदिवासी पार्टी का आरोप है कि वर्षों से सत्ता में रही कांग्रेस और भाजपा ने आदिवासी समाज को सिर्फ वोट बैंक समझा है। जब जल-जंगल-ज़मीन बचाने की बारी आई, तो दोनों दलों के विधायक और सांसद खामोश रहे है। परियोजना में निजी लाभ तलाशने के आरोपों ने राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है। पार्टी का कहना है कि अगर समय रहते आवाज़ नहीं उठाई गई, तो आने वाली पीढ़ियां माफ नहीं करेंगी। यह चुप्पी अब सवालों के घेरे में है और जवाब जनता मांग रही है।

अनूपपुर-डिंडोरी की संयुक्त हुंकार

अनूपपुर और डिंडोरी के संयुक्त तत्वावधान में हो रही यह आमसभा सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि साझा प्रतिरोध का मंच है। गांव-गांव से लोग जुटने को तैयार हैं। किसान, महिलाएं, युवाओ सबका एक ही सवाल है कि क्या विकास के नाम पर हमें उजाड़ दिया जाएगा? यह एकजुटता बता रही है कि अब आदिवासी समाज बंटकर नहीं, बल्कि संगठित होकर लड़ेगा।

'जनता साथ दे, तभी बदलेगा फैसला'

भारत आदिवासी पार्टी के अनूपपुर जिला अध्यक्ष ललन सिंह परस्ते ने दो टूक कहा कि यह लड़ाई पार्टी की नहीं, जनता की है। अगर लोग साथ आएंगे, तभी सांसद और विधायक सदन में प्रभावी दबाव बना पाएंगे और इस बांध परियोजना को निरस्त कराया जा सकेगा। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि डर और भ्रम को छोड़कर अपने हक के लिए खड़े हों। संदेश साफ है कि अब या तो जनता बोलेगी, या फिर इतिहास एक और विस्थापन की कहानी लिख देगा साथ ही कहा है कि जनता द्वारा चुने गए विधायक सांसद आज अगर पटल पर इस समस्या को समय के साथ पटल में रखे होते हो किसानों को किसानी छोड़ कर सड़क में नहीं उतरना पड़ता भीड़ देख कर राजनीतिक रोटियां सेकना जनप्रतिनिधि बंद कर देवे अब आदिवासी समाज जाग चुका है इस आपदा को अवसर बनाने में लगे क्षेत्र के विधायक सांसद भूल में न रहे अब समाज जाग चुका है।

अजय सिंह ने विधानसभा में आवारा पशुओं का मुद्दा उठाया

विधानसभा अध्यक्ष ने मामले को गंभीरता से लिया

विजय मत, सीधी

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में आरोप प्रत्यारोप और पक्ष विपक्ष की असहमति के बीच में एक मुद्दा ऐसा भी आया जिसे विपक्ष के साथ साथ सत्ता पक्ष ने पूरी संजीदगी से लिया। आवारा पशुओं से संबंधित यह मामला पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से उठाया था। आम तौर पर ध्यानाकर्षण में मामला उठाने वाले सदस्य के अतिरिक्त किसी अन्य सदस्य को स्पीकर बोलने की इजाजत नहीं देते लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पक्ष विपक्ष के कई सदस्यों को भी अपना मत रखने का अवसर दिया।

अजय सिंह ने उजागर किया कि सरकार द्वारा पशुपालन विभाग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद लगभग 10 लाख आवारा पशु सड़कों पर घूम रहे हैं। इन पशुओं के कारण किसानों की फसलें नष्ट हो रही हैं और राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सड़कों पर यातायात बाधित हो रहा है, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। रीवा, सतना, सीधी, ग्वालियर और शिवपुरी जैसे जिलों में अरहर, चना और गेहूं की फसलें विशेष रूप से प्रभावित हुई हैं। संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय और अन्य मंत्रियों ने जोर देकर कहा कि गौ-सेवा केवल पैसे से नहीं बल्कि संवेदनशीलता से होती है, और सरकार की योजनाएं देश में एक मॉडल बनेंगी। उन्होंने कहा कि शेड बनाने और भूसा भंडारण का काम पहले शुरू करने के लिए कहा जा रहा है ताकि बरसात से पहले मवेशियों को वहां स्थानांतरित किया जा सके।

संकल्प महोत्सव 2026 भव्यता के साथ संपन्न

अनूपपुर। संकल्प महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा 27 फरवरी को आयोजित संकल्प महोत्सव 2026 गरिमामय एवं भव्य वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं अनुविभागीय अधिकारी कमलेश पूरी ने भी महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में लोकगायक सुनील मानिकपुरी एवं बॉलीवुड सिंगर स्तुति जायसवाल की प्रस्तुति ने समां बांध दिया।

मानवता की मिसाल बने सांसद डॉ. राजेश मिश्रा सड़क दुर्घटना में घायल युवक की बचाई जान

सीधी। ग्राम झोंको के समीप एक सड़क दुर्घटना में रायपुर कर्चुलियान निवासी शैलेन्द्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उसी समय सीधी-सिंगरौली के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा सिंगरौली से सीधी की ओर यात्रा कर रहे थे। दुर्घटना स्थल पर घायल अवस्था में पड़े युवक को देखकर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने तत्काल अपनी गाड़ी रुकवाई। उन्होंने बिना समय गंवाए अपने ड्राइवर और सहायक को प्राथमिक उपचार सामग्री (पट्टी, औषधि आदि) लाने के निर्देश दिए और स्वयं घायल को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया।

अमरकंटक माउंटेन ट्रैक का दूसरा दिन,जोहिला की वादियों और सघन वनों के बीच रोमांच का अद्भुत अनुभव

विजय मत, अनूपपुर

अनूपपुर जिला प्रशासन और इंडियाहाइक्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय 'अमरकंटक वॉटरफॉल माउंटेन ट्रैक' के दूसरे दिन ट्रैकर्स ने प्रकृति के अनछुए और रोमांचकारी स्वरूप का सजीव अनुभव किया। यात्रा का दूसरा पड़ाव जोहिला डैम और उसके आसपास के सघन वन क्षेत्रों में केंद्रित रहा।

प्राकृतिक सौंदर्य और साहसिक अनुभव

सुबह ट्रैकर दल ने जोहिला के जलभराव क्षेत्र और विंध्य पर्वतमाला के घने वनों के बीच ट्रैकिंग की। जल और हरियाली के संगम ने प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होने इस रूट को अंतरराष्ट्रीय स्तर के ट्रैकिंग अनुभव के समकक्ष बताया। ट्रैकर्स ने बताया कि अमरकंटक क्षेत्र की जैव-विविधता, शांत वातावरण और प्राकृतिक संरचना इसे एक आदर्श इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाती है।

'ग्रीन ट्रेल्स' और ज़ीरो वेस्ट का अनुकरणीय पालन

कलेक्टर हर्षल पंचोली की मंशा के अनुरूप 'जीरो वेस्ट' नीति का दूसरे दिन भी सख्ती से पालन किया गया। इंडियाहाइक्स के दल प्रमुख अंकित कुमार के नेतृत्व में ट्रैकर्स ने न केवल अपना कचरा वापस लाया, बल्कि मार्ग में मिले अन्य अजैविक कचरे को भी एकत्रित कर 'ग्रीन टराइलस' अभियान को सशक्त किया। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिभागियों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्थानीय गाइड और रोजगार के नए अवसर

ट्रैकिंग के दौरान स्थानीय गाइडों ने प्रतिभागियों को क्षेत्र की वनोषधियों, भौगोलिक विशेषताओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी। प्रशासन की इस पहल से स्थानीय स्तर पर सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है, क्योंकि ऐसे आयोजनों से होम-स्टे, गाइड सेवा और स्थानीय उत्पादों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

अगला पड़ाव पडौना वॉटरफॉल

ट्रैक का अगला चरण पडौना वॉटरफॉल की ओर होगा, जहाँ प्रतिभागी भव्य जलप्रपात के मध्य प्रकृति की अनुपम छटा का आनंद लेंगे।

3 मार्च को संपन्न होने वाली यह यात्रा अनूपपुर जिले को एडवेंचर टूरिज्म के मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ग़रीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के स्वावलंबन और विकसित मध्य प्रदेश बनाने वाला बजट : रीती पाठक

सीधी। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व एवं वित्त और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत 4.38 लाख करोड़ के ऐतिहासिक और सर्वसमावेशी बजट पर स्थानीय सर्किट हाउस मे आयोजित विस्तृत प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक ने कहा कि यह बजट ÷ज्ञानी÷ माडल पर आधारित एक दूरदर्शी दस्तावेज है जो ग़रीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के समग्र उत्थान के साथ साथ अधोसंरचना और औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा। बजट केवल आय व्यय का विवरण नही है बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण सशक्त रोडमैप है। भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती पाठक ने कहा कि कृषि और किसान कल्याण के लिए 5 एच पी के कृषि पंपों हेतु 5276 करोड़ रुपए का प्रावधान, दलहन आत्मनिर्भर मिशन के लिए 335 करोड़ तथा समर्थन मूल्य पर बोनस भुगतान हेतु 150 करोड़ निर्धारित किए गए हैं । आपातकालीन ऋण पर व्याज अनुदान के लिए 720 करोड़ की व्यवस्था की गई है । प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना के अन्तर्गत 1 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है जिससे किसानों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध होगी । जिला उपाध्यक्ष विश्व बंधुधर द्विवेदी, मनीला सिंह चौहान, जिला महामंत्री अनिल पाण्डेय और जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे की विशिष्ट उपस्थिति में सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पशुपालन गतिविधियों के लिए 2364 करोड़ का प्रावधान है।

समस्या

ई-अटेंडेंस के बाद ड्यूटी से 'गायब' होने के आरोप, वेतन भुगतान और जवाबदेही पर उठे प्रश्न

कोयलांचल के नवगठित निकायों में कर्मचारियों की कार्यशैली पर सवाल

विजय मत, अनूपपुर

जिले में जहां एक ओर कलेक्टर के नेतृत्व में प्रशासनिक अमला शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सक्रिय है, वहीं कोयलांचल क्षेत्र के नवगठित नगर निकाय डोला, डूमरकछार और बनगवां में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिले के वरिष्ठ अधिकारी अवकाश दिवसों में भी फील्ड निरीक्षण,समीक्षा बैठक और जनसमस्याओं के निराकरण में जुटे हुए हैं। इसके विपरीत इन तीनों नगर निकायों में पदस्थ संविलियन कर्मचारियों पर ई-अटेंडेंस प्रणाली के दुरुपयोग के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कुछ कर्मचारी कार्यालय के निर्धारित दायरे में पहुंचकर ई-अटेंडेंस दर्ज करते हैं और इसके बाद ड्यूटी से अनुपस्थित हो जाते हैं। कार्यावधि समाप्ति के समय पुनः उपस्थित होकर आउट-टाइम दर्ज कर लौट जाते हैं।

सीएमओ की कार्यशैली पर भी सवाल-क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारियों (सीएमओ) की ढिलाई के कारण कर्मचारियों पर नियंत्रण नहीं है। आरोप यह भी है कि कुछ सीएमओ हर सप्ताहांत क्षेत्र से अनुपस्थित रहते हैं और सोमवार या मंगलवार को लौटते हैं। ऐसे में जब प्रशासनिक मुखिया ही नियमित रूप से उपलब्ध नहीं हैं, तो अधीनस्थ कर्मचारियों की जवाबदेही कैसे तय होगी?

इस व्यवस्था का सीधा असर पेयजल, सफाई, प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सेवाओं पर पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि आम जनता के कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे

अनियमितता
जनप्रतिनिधियों ने उठाई जांच की मांग, शासन को लाखों के नुकसान का आरोप
संविलियन भर्ती पर सवाल: आदेशों की अनदेखी, परिवीक्षा खत्म फिर भी पद पर जमे शुक्ला

निवोचित प्रतिनिधियों की छवि भी खराब हो रही है।

लिखित आदेश मिलने पर करेंगे काम-जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि संविलियन के बाद से कई बार कर्मचारियों से संबंधित दस्तावेज एवं कार्य विवरण मांगे गए, लेकिन उपलब्ध नहीं कराए गए। अक्सर न्यायालय में मामला विचाराधीन होने का हवाला दिया जाता है। कई मामलों में कर्मचारियों द्वारा मौखिक निर्देशों पर कार्य करने से इनकार कर लिखित आदेश की मांग की जाती है, जिससे छोटे-छोटे प्रशासनिक कार्य भी लंबित हो जाते हैं और विकास कार्यों की गति प्रभावित होती है। वेतन भुगतान पर भी उठे सवाल यदि कर्मचारी नियमित रूप से कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं हैं, तो प्रतिमाह वेतन भुगतान किस आधार पर किया जा रहा है–यह प्रश्न भी उठ रहा है। संबंधित पक्ष न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हैं, लेकिन नागरिकों का तर्क है कि वेतन के साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। जनता का सवाल है कि यदि कार्य निष्पादन स्पष्ट नहीं है, तो उपस्थिति, अवकाश स्वीकृति और भुगतान प्रक्रिया की निगरानी कैसे हो रही है? क्या ई-अटेंडेंस की तकनीकी जांच की जा रही है?।

त्योहारों के दौरान भी जिम्मेदार अधिकारी नदारद-होली जैसे प्रमुख त्योहार को लेकर एक ओर पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार गश्ती दल को तैनात किया गया है साथ ही चौक चौराहों पर भी पुलिस की व्यवस्था दुरुस्त की गई है लेकिन वहीं पर संबंधित निकायों के सीएमओ क्षेत्र में अनुपस्थित बताए जा रहे हैं। जबकि जिला प्रशासन शांति एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर गंभीर है, ऐसे समय में जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति चिंता का विषय बन रही है।

दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों पर दबाव?

सूत्रों के अनुसार त्योहारों के दौरान ड्यूटी का भार मुख्यतः दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों पर डाला जाता है। प्रश्न यह है कि जब संविलियन कर्मचारियों को नियमित वेतन प्रदान किया जा रहा है। तो अतिरिक्त जिम्मेदारी केवल दैनिक वेतनभोगियों पर ही क्यों? नगर परिषद का दर्जा मिलने का उद्देश्य बेहतर शहरी सुविधाएं और पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करना था। लेकिन यदि जवाबदेही तय नहीं हुई तो विकास कार्य कागजों तक सीमित रह सकते हैं।

कलेक्टर से सख्त मॉनिटरिंग की मांग

स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर से ई-अटेंडेंस की तकनीकी जांच, फर्जी उपस्थिति की जांच और दोषी पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। अब निगाहें जिला प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। क्या नवगठित निकायों में व्यवस्था सुधारने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे, या सवालों के बीच विकास की रफ्तार थमती रहेगी?। वही इस संबंध में जब मुख्य नगर पालिका अधिकारी डोला से फोन पर संपर्क साधा गया तो उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।

इनका कहना है।

शाशन द्वारा कोई आदेश नहीं दिया गया है आपके के माध्यम से जानकारी मिली है सीएमओ से जानकारी ली जाएगी।

टी आर नाग
एसडीम कोतमा

इस्तिहार

वर्ष 2026 27 हेतु आबकारी विभाग में कंपोजिट मदिरा दुकानों का निष्पादन आई जेंडर ए जेंडर कम एक्शन के माध्यम से किया जाना है वर्ष 2026 27 हेतु शहडोल जिले में 29 कंपोजिट मदिरा दुकानों के आठ समूह में निष्पादन किया जाना है प्रथम चरण की कार्यवाही 2 मार्च 2026 को कलेक्ट्रेट कार्यालय में किया जाना है प्रथम चरण में शहडोल जिले के तीन कंपोजिट मदिरा समूह हेतु कलेक्टर कार्यालय शहडोल में कलेक्टर महोदय की अध्यक्षता में गठित निष्पादन समिति द्वारा निष्पादन की कार्यवाही की जावेगी।

यूज इन शॉर्ट

राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान का किया गया सामूहिक गायन

शहडोल। अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह की उपस्थिति में मार्च माह के प्रथम कार्य दिवस के अवसर पर संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान जन गण मन के सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में लगने वाले विभिन्न विभागो के शासकीय सेवक उपस्थित रहे।

पुष्य नक्षत्र में हुआ स्वर्णप्राशन संस्कार, 226 बच्चों को पिलाई गई औषधि

शहडोल। आयुर्वेदिक परंपरा के अनुसार पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में स्वर्णप्राशन संस्कार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 226 बच्चों को स्वर्ण भस्म युक्त औषधि का सेवन कराया गया।आयुष विभाग के चिकित्सकों ने बताया कि स्वर्णप्राशन एक प्राचीन आयुर्वेदिक प्रक्रिया है, जो बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, स्मरण शक्ति को सुदृढ़ करने तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक मानी जाती है।कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों ने अभिभावकों को स्वर्णप्राशन के महत्व की जानकारी दी तथा नियमित रूप से प्रत्येक पुष्य नक्षत्र में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बच्चों को लाने की अपील की।जिला आयुष अधिकारी ने बताया कि यह कार्यक्रम 24 मार्च 2022 से निरंतर संचालित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ मिल सके।

थाना देवलोंद पुलिस द्वारा अवैध रेत उत्खनन पर कार्यवाही,ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

शहडोल। सूचना प्राप्त होने पर थाना देवलोंद पुलिस द्वारा झिरिया घाट सोन नदी, जो सोन घड़ियाल प्रतिबंधित क्षेत्र में आता है, से एक हरे रंग का जॉनडियर कंपनी का ट्रैक्टर मय ट्रॉली अवैध रूप से रेत उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा सोन नदी झिरिया रेत उत्खनन घाट पर दबिश दी गई ।मौके पर कि ट्रैक्टर चालक पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर फरार हो गया। जॉनडियर कंपनी का हरे रंग का बिना नंबर का ट्रैक्टर, ट्रॉली में अवैध रेत भरी हुई थी, को जप्त किया गया।जप्त वाहन एवं रेत की कुल अनुमानित कीमत लगभग 4,83,500/- रुपये आंकी गई है, जिसमें ट्रैक्टर की कीमत लगभग 4,80,000/- रुपये एवं रेत की कीमत लगभग 3,500/- रुपये है। उक्त विवेचना कार्यवाही के दौरान अज्ञात ट्रैक्टर चालक एवं वाहन स्वामी रामकल्याण वैस पिता मगलदीन वैस निवासी झिरिया बुड़वा थाना देवलोंद द्वारा धारा बी.एन.एस. खनिज अधिनियम, वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, भारतीय वन अधिनियम एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध कारित किया गया देवलोंद पुलिस द्वारा अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। फरार आरोपी की तलाश जारी है।सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में उप निरी सुभाष दुबे थाना प्रभारी देवलोंद के नेतृत्व में, प्रधान आरक्षक दिनेश शुक्ला, आरक्षक दीपक रावत, आरक्षक आदित्य सिंह, आरक्षक अभिषेक तिवारी, आरक्षक ओम प्रसाद तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

162 स्थानों पर हुआ होलिका दहन, परंपरा और आस्था का संगम

शुभ मुहूर्त में जली होलिका आज रंगों में डूबेगा शहर

विजय मत, शहडोल

जिले में रंगों के महापर्व होली का उत्साह चरम पर है। सोमवार देर रात शुभ मुहूर्त में शहर सहित ग्रामीण अंचलों में होलिका दहन किया गया। नगर के 162 से अधिक स्थानों पर लोगों ने विधि-विधान से होली जलाई। इंदिरा चौक, मॉडल रोड, न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पुराना बस स्टैंड, सोहागपुर, पुरानी बस्ती और घरौला मोहल्ला समेत विभिन्न बस्तियों में श्रद्धालुओं ने एकत्रित होकर पूजा-अर्चना की। कई स्थानों पर लोगों ने शुभ मुहूर्त का इंतजार किया, जबकि कुछ जगहों पर पहले ही दहन कर दिया गया।

आज धुरेड़ी पर रंग-गुलाल से सराबोर होगा जनजीवन

मंगलवार को धुरेड़ी के अवसर पर शहरभर में रंगों की बौछार देखने को मिलेगी। बच्चे, युवा और बुजुर्ग एक-दूसरे को गुलाल लगाकर खुशियां साझा करेंगे। घर-घर में पकवानों की खुशबू और गीत-संगीत से माहौल उत्सवमय रहेगा। मोहल्लों में डीजे और पारंपरिक फाग गीतों के बीच लोग हंसी-ठिठोली करते नजर आएंगे।

बाजारों में उमड़ी भीड़, रंग-पिचकारी की जमकर खरीदारी

होली से पहले बाजारों में रौनक बढ़ गई है। रंग, गुलाल, पिचकारी, मुखौटे और मिठाइयों की दुकानों पर दिनभर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। बच्चों ने आकर्षक पिचकारियां खरीदीं तो महिलाओं ने घर की सजावट और पकवानों के लिए सामान लिया। व्यापारियों के मुताबिक इस बार बिक्री में खासा इजाफा देखा गया है।

450 पुलिस जवान तैनात, हर गतिविधि पर नजर

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जिले में 450 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। प्रमुख चौराहों पर फिक्स पिकेट बनाए गए हैं, जहां संदिग्ध व्यक्तियों और यातायात नियम तोड़ने वालों की जांच की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार निगरानी रखी जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष पेट्रोलिंग

सोहागपुर और कोतवाली थाना क्षेत्रों में 10 विशेष पेट्रोलिंग पार्टियां गठित की गई हैं। इसके अलावा धनपुरी, बुढ़ार, अमलाई और ब्योहारी देवलौंद क्षेत्रों में भी अलग-अलग टीमें लगातार भ्रमण कर रही हैं, ताकि दूरस्थ इलाकों में भी कानून व्यवस्था बनी रहे। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि त्योहार की आड़ में हुड़दंग या शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पर्यावरण-संवेदनशील होली : रंगों में जिम्मेदारी का समावेश

विजय मत, शहडोल

होली भारतीय संस्कृति का एक जीवंत और उल्लासपूर्ण पर्व है। यह केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक भी है। किंतु बदलते समय के साथ इस त्योहार के स्वरूप में आई कुछ प्रवृत्तियाँ चिंता का विषय बन गई हैं। रासायनिक रंगों का बढ़ता उपयोग, जल की अत्यधिक बर्बादी और होलिका दहन के नाम पर हरे-भरे वृक्षों की कटाई न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि हमारी सामाजिक जिम्मेदारी पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है।

विजय मत रंगोत्सव
अजय जायसवाल

आज जब देश जल संकट, वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम अपने पर्व-त्योहारों को भी पर्यावरण-संवेदनशील दृष्टिकोण से मनाएँ। होली के अवसर पर हर्बल और प्राकृतिक रंगों का उपयोग, सूखी होली को बढ़ावा देना तथा पानी की अनावश्यक बर्बादी से बचना समय की मांग है। यह केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना का विषय है।

होलिका दहन की परंपरा हमारी आस्था से जुड़ी है, परंतु आस्था के नाम पर पर्यावरण को क्षति पहुँचाना उचित नहीं ठहराया जा सकता। कई स्थानों पर प्रतीकात्मक और सामूहिक होलिका दहन की पहल सराहनीय है। इससे संसाधनों की बचत के साथ सामाजिक एकता का भी संदेश जाता है।

इसके साथ ही, होली का मूल संदेश–प्रेम और सौहार्द–हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। जबरन रंग लगाने, नशे और हुड़दंग की घटनाएँ इस पर्व की गरिमा को आहत करती हैं। यह पर्व दिलों की दूरियाँ मिटाने और रिश्तों में मिठास घोलने का अवसर है, न कि असंवेदनशील व्यवहार का।

समाज के प्रत्येक वर्ग–युवा, अभिभावक, सामाजिक संगठन और प्रशासन–की यह जिम्मेदारी है कि वे मिलकर ऐसी होली का वातावरण तैयार करें जो सुरक्षित, मर्यादित और पर्यावरण के अनुकूल हो।

यदि हम सचेत होकर छोटे-छोटे कदम उठाएँ, तो होली केवल रंगों का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जागरूकता का भी उत्सव बन सकती है। यही सच्चे अर्थों में हमारी सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता होगी।

ई.व्ही.एम. व्ही.व्ही.पी.ए.टी वेयर हाउस का किया गया निरीक्षण

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ई.व्ही.एम. व्ही.व्ही.पी.ए.टी वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन प्रतीक खरे, राजनैतिक दल के प्रतिनिधि विष्णु प्रताप सिंह, अरफाना बेगम सहित अन्य राजनैतिक दल के प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने 3 मार्च को घोषित किया शुष्क दिवस

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ.केदार सिंह ने होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए म0प्र0 आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 03 मार्च को शुष्क दिवस घोषित किया है। कलेक्टर ने होली त्यौहार के दौरान कानून व्यवस्था तथा लोक शांति बनाये रखने के लिये मदिरा का क्रय विक्रय प्रतिबंधित करने हेतु जिले की समस्त कम्पोजिट देशी,विदेशी मदिरा दुकानें, होटलबार (एफ.एल.-2, एफ.एल.-3 एवं एफ.एल.-3 ए), रिटेल आउटलेट (वाईन शाप) एवं मद्यभाण्डागार (देशी/विदेशी) आदि 2 मार्च 2026 को रात्रि 11:30 बजे से दिनांक 3 मार्च 2026 को सायंकाल 05:00 बजे तक के लिए शुष्क दिवस घोषित किया है।

होली से पहले बदमाशो ने सूने घर से लाखों के गहने और नगदी कर दिये पार

विजय मत, शहडोल

रंगों के त्योहार होली से पहले जिले में चोरों ने आतंक मचा दिया है। देवलौंद और सीधी थाना क्षेत्रों में सूने पड़े मकानों को निशाना बनाते हुए बदमाशों ने लाखों रुपये के गहने और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। दोनों वारदातों में करीब सात लाख रुपये की चोरी हुई है।पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच तेज कर दी है, लेकिन त्योहार से पहले बढ़ती चोरी की घटनाओं ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है।पुलिस के अनुसार, देवलौंद थाना क्षेत्र के बुढ़वा मस्जिद के पास स्थित एक घर में चोरी की वारदात हुई। पीड़िता गुल्पशा बानो ने शिकायत में बताया कि वह अपने पति के साथ मायके गई हुई थीं। उनके पति कपड़े फेरी का काम करते हैं। घर में ताला लगा हुआ था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने दरवाजा तोड़ दिया और अंदर घुस गए। अलमारी में रखे करीब तीन तोला सोना, चांदी के जेवरात, 70 हजार रुपये नकद और नई साड़ियों के दो बैग लेकर फरार हो गए। सुबह घर लौटने पर घटना की जानकारी हुई। पीड़िता के अनुसार लगभग पांच लाख रुपये की चोरी हुई है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही धरी नंबर दो स्थित एक ज्वेलरी दुकान में भी चोरी की वारदात सामने आई थी।

वहीं सीधी थाना क्षेत्र के लपरी गांव में भी सूने घर को निशाना बनाया गया। जामवती अहिरवार अपने घर में ताला लगाकर बेटी के यहां गई थीं।

5 साल से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

शहडोल। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शहडोल के प्रकरण क्रमांक आरसीटी नंबर 1549/2021, अपराध क्रमांक 464/2021 धारा 379, 414 भादवि एवं 3/118, 5/180 मोटर व्हीकल एक्ट के आरोपी बब्बू मौर्य पिता श्री लाले मौर्य उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम लोढी थाना गोहपारू जिला शहडोल को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

दो चरणों में कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

विजय मत, शहडोल

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा विद्यार्थियों एवं आम प्रतिभागियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से दो चरणों में कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं कौशल विकास प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को एम.एस. ऑफिस, डिजिटल पेमेंट प्रणाली, साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे समसामयिक एवं उपयोगी विषयों पर सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाना, उनकी तकनीकी समझ को सुदृढ़ करना तथा उन्हें रोजगारोन्मुखी कौशल से लैस करना रहा।प्रशिक्षण सत्रों के दौरान विशेषज्ञों द्वारा डिजिटल लेन-देन की सुरक्षित प्रक्रियाओं, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, साइबर सुरक्षा के आवश्यक उपायों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मूल सिद्धांतों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रतिभागियों को कंप्यूटर के दैनिक उपयोग, कार्यालयीन कार्यों में तकनीक के प्रभावी प्रयोग एवं आधुनिक डिजिटल टूल्स के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया।

सीएम हेल्पलाइन की नियमित मानीटरिंग जिला अधिकारी स्वयं करें-डॉ.केदार

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिक न होकर नागरिकों की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए किया जाए।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित मॉनिटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।

उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे, इसके लिए मैदानी अमले को भी जिम्मेदारी सौंपी जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए रणनीति बनाकर कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा, श्री गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अनदेखी कमिश्नर के सख्त निर्देशों के बावजूद एक साल से कार्रवाई नदारद

शहडोल संभाग में अवैध कॉलोनियों का जाल

विजय मत, शहडोल

संभाग में अवैध प्लॉटिंग और कॉलोनियों का अनियंत्रित विस्तार अब प्रशासनिक विफलता की बड़ी मिसाल बनता जा रहा है। पिछले एक साल से अधिक समय से लगातार चेतावनियां, बैठकें और सख्त निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। कमिश्नर सुरभि गुप्ता द्वारा बार-बार कार्रवाई के आदेशों के बावजूद न तो अवैध निर्माण रुके हैं और न ही दोषियों पर कोई निर्णायक कदम उठाया गया है।

निर्देश कड़े, लेकिन अमल शून्य

मार्च 2025 में कमिश्नर ने सभी नगरीय निकायों को स्पष्ट आदेश दिया था कि अवैध कॉलोनियों का सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाए और नए निर्माणों पर तत्काल रोक लगाई जाए। अधिकारियों को चेताया गया था कि लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी। परंतु महीनों गुजर जाने के बाद भी रिपोर्ट अधूरी रही और सर्वे की प्रक्रिया ठप पड़ी रही।

बैठकें होती रहीं, कार्रवाई गायब

जून-2025 में हुई समीक्षा बैठक में भी रिपोर्ट न मिलने पर नाराजगी जताई गई। समय-सीमा तय की गई, लेकिन परिणाम शून्य रहा। अब एक साल बीत चुका है, फिर भी अमरवाड़ा, जैतहरी और शहडोल शहर में अवैध कॉलोनियां तेजी से बसती जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिल्डर खुलेआम प्लॉट काट रहे हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

फील्ड में नहीं दिखता प्रशासन

नगरपालिका स्तर पर अधिकारी बैठकों में मौजूद तो रहते हैं, लेकिन मौके पर सर्वे या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नाममात्र है। जहां नोटिस जारी हुए भी, वहां आगे की प्रक्रिया ठंडे बस्ते में डाल दी गई। परिणामस्वरूप अवैध निर्माणकर्ताओं के हौसले और बुलंद हो गए हैं।

सरकारी जमीन पर कब्जे, राजस्व को करोड़ों की चपत

अवैध कॉलोनियों के कारण सरकारी जमीनों पर कब्जे बढ़ रहे हैं, जिससे शासन को करोड़ों रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है। साथ ही बिना योजना के बस रही बस्तियां भविष्य में सड़क, पानी, सीवरेज और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए नई समस्याएं खड़ी करेंगी। शहरी नियोजन पूरी तरह ध्वस्त होता नजर आ रहा है।

जनता में गुस्सा, प्रशासन की साख पर सवाल

लगातार बैठकों और चेतावनियों के बावजूद कार्रवाई न होने से जनता में प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ रहा है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर आदेशों का पालन क्यों नहीं हो रहा? क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई जवाबदेही तय होगी? एक साल बाद भी यदि अवैध कॉलोनियों पर शिकंजा नहीं कसा गया, तो यह समस्या आने वाले समय में विकराल रूप ले सकती है। फिलहाल शहडोल संभाग में 'सख्त निर्देश' सिर्फ फाइलों तक सीमित दिखाई दे रहे हैं, जबकि जमीन पर अवैध कॉलोनियों का साम्राज्य लगातार फैलता जा रहा है।

डे एनयूएलएम योजना अंतर्गत कुबेर स्वसहायता समूह ने लगाया हर्बल उत्पादों का स्टॉल

विजय मत, शहडोल

नगर पालिका परिषद शहडोल के तत्वावधान में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन डे एनयूएलएम योजना अंतर्गत गठित कुबेर स्वसहायता समूह द्वारा नगर पालिका कार्यालय के समीप हर्बल रंगोली एवं हर्बल साबुन का स्टॉल स्थापित किया गया है।कुबेर स्वसहायता समूह की महिला सदस्यों द्वारा पूर्णतः प्राकृतिक एवं पर्यावरण-अनुकूल हर्बल उत्पादों का निर्माण कर उन्हें आमजन के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। समूह द्वारा तैयार हर्बल रंगोली एवं साबुन स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सराहनीय प्रयास है।यह पहल न केवल स्थानीय व स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दे रही है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।नगर पालिका परिषद शहडोल ने नगरवासियों से अपील की है कि वे कुबेर स्वसहायता समूह द्वारा निर्मित हर्बल उत्पादों का अधिक से अधिक क्रय करें, जिससे समूह की महिलाओं को आर्थिक लाभ प्राप्त हो और उनके स्वरोजगार के प्रयासों को मजबूती मिले।

नगर पालिका परिषद द्वारा स्वसहायता समूहों को निरंतर प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आजीविका सुदृढ़ कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

विजय मत
राष्ट्र को समर्पित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र
www.vijaymat.com
भोपाल, मंगलवार, 03 मार्च 2026

तीसरी बार टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे भारत और इंग्लैंड

मुम्बई,एजेंसी

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में 5 मार्च को भारत और इंग्लैंड की टीमें सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। ये तीसरी बार है जब इन दोनो के बीच

सेमीफाइनल में मुकाबला होने जा रहा है। इससे पहले साल 2022 में इंग्लैंड ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हराया था। वहीं भारतीय टीम ने साल 2024 में इंग्लैंड पर जीत दर्ज की थी।

इतना ही नहीं, पिछले दो बार के टूर्नामेंट में भारत के साथ सेमीफाइनल में जिस भी टीम को जीत मिली है, उसे खिताब मिला है। साल 2024 में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने हराया था और फाइनल भी जीता था। वहीं भारत ने साल 2024 में इंग्लैंड को सेमीफाइनल में हराया था और फाइनल में भी भारतीय टीम जीती थी। इस तरह लगातार तीसरी बार ये संयोग बना है कि दोनों टीमें फिर से सेमीफाइनल में खेलेंगी। भारत और इंग्लैंड के बीच विश्वकप में लीग स्तर या सुपर 8 स्टेज में 14 साल से मुकाबला नहीं खेला गया है। अंतिम बार साल 2012 में दोनों टीमों के बीच नॉकआउट स्तर से पहले मुकाबला खेला गया। उस मैच में भारतीय टीम को जीत मिली थी। अब तक टी20 विश्व कप में पांच बार भारत और इंग्लैंड का आमना-सामना हुआ है, जिसमें से भारत ने 3 जबकि इंग्लैंड ने दो मैच जीते हैं।

बारिश हुई तो बाहर होंगी भारत और न्यूजीलैड

भारतीय टीम सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। यहां 5 मार्च को भारतीय टीम का सामना दूसरे सेमीफाइनल में 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से सामना होगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड में मुकाबला होगा।

सेमीफाइनल में अगर बारिश होती है तो मैच रिजर्व दिन होगा। वहीं अगर उस दिन भी किसी कारण से मैच नहीं हो पाता है तो ग्रुप की शीर्ष टीम फाइनल में पहुंच जाएगी। इसलिए अगर किसी कारण मैच नहीं हो पाता है तो भारतीय टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। वहीं इंग्लैड फाइनल में आ जाएगी। इसका कारण ये है कि आईसीसी के नियमों के मुताबिक सुपर-8 राउंड में टीमों की स्थिति के आधार पर फाइनल में क्वालिफाई करने वाली टीम का फैसला किया जाता है। ऐसे में ग्रुप स्तर या सुपर-8 राउंड में टॉप पर रहने वाली टीम को लाभ मिलता है।

पाक खिलाड़ी पर लगाया 50-50 लाख का जुर्माना

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए सभी खिलाड़ियों पर 50-50 लाख पाकिस्तानी रुपए जुर्माना लगाया है। पीसीबी का कहना है कि जब जीत पर टीम को ईनाम मिलता है तो हार के बाद उसपर जुर्माना लगाना कोई गलत नहीं है। सभी खिलाड़ियों को इसके लिए तैयार रहना चाहिये। पाक टीम के लिए ये विश्वकप बेहद खराब रहा है। उसे भारतीय सहित सभी बड़ी टीमों से हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई और सुपर-8 से ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इसके अलावा उसे नीदरलैंड्स, अमेरिका और नामीबिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। भारत-इंग्लैंड जैसी टीमों से भी उसे हार मिली है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के चलते पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में शामिल खिलाड़ियों पर 50-50 लाख पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जीत के बाद का विडियो जारी किया

कोलकाता । संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के तीसरे और अंतिम सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारतीय टीम की जीत के बाद सैमसन ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सबसे पहले घुटने टेककर और हाथ जोड़कर ईश्वर को याद किया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने सैमसन की 97 रनों की पारी से हासिल कर लिया। सैमसन ने अपने करियर की सबसे अच्छी पारियों में से एक खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। इस वीडियो में दिख रह है कि सैमसन के विजयी शॉट लगाते ही डगआउट में मौजूद सभी खिलाड़ी खुशी से झूम उठते हैं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर दौड़ लगाते हैं।

खाड़ी में संघर्ष से आईपीएल के लिए आने वाले खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ना तय

मुम्बई,एजेंसी

मध्यपूर्व में शुरु हुई जंग का प्रभाव खेल पर भी पड़ रहा है। जहां कई देशों के खिलाड़ी खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं। वहीं आईपीएल के लिए आने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भी इससे विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका है। आईपीएल के करीब आते ही फ्रेंचाइज़ियां अभ्यास के तौर पर लगने वाले प्री-सीजन कैंप और रणनीतियों को बनाने का प्रयास कर रही थीं कि मध्य-पूर्व में शुरु हुए इस संघर्ष से उड़ानें बाधित होने के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसका कारण है कि अब खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का आना भी फिलहाल संभव नजर नहीं आ रहा है। .

आईपीएल सत्र शुरू होने में अब एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में सभी टीमें अपने-अपने प्री-सीजन कैंप आयोजित कर रही हैं पर विदेशी खिलाड़ियों के नहीं आ पाने ने तैयारियों में बाधा आई है। इसका कारण है कि इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से अधिकतर अधिकतर पर दुबई से ही भारत पहुंचते हैं। अब खाड़ी क्षेत्र में उड़ाने बाधित होने से इसमें रुकावट आई है। इसी कारण से कई अंतरराष्ट्रीय यात्राएं प्रभावित हुई हैं। मध्य-पूर्व में हालात कब तक सुधरेंगे ये अभी कहा नहीं जा सकता। अमेरिका और इज़राइल के हमलों के जवाब में ईरान ने भी कतर, यूएई, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत जैसे देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किये हैं।

थरूर ने सैमसन की पारी को जमकर सराहा

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद शशि थरूर क्रिकेट के शौकीन है और हमेशा मैचों को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं देते रहते है। थरुर ने अब विकेटकपीर बल्लेबाज संजू सैमसन की वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे सुपर-8 में खेली 97 रनों की नाबाद पारी की जमकर सराहना की है। सैमसन की इस पारी से भारतीय टीम विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने भारतीय टीम को जीत के सामने 195 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने पांच विकेट से हासिल कर लिया। थरूर ने इस दौरान उस समय को भी याद किया जब टूर्नामेंट के ठीक पहले खराब प्रदर्शन के कारण सैमसन को शुरुआती मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी थी। भारतीय टीम ने ईशान किशन और अभिषेक शर्मा के साथ टी20 विश्वकप की शुरुआत की थी।

वियतनाम के खिलाफ उतरेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल

पर्थ,एजेंसी

एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में भारतीय महिला टीम 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरना होगा। इसका कारण है कि वियतनाम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। नई मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे, के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का ये पहला मुकाबला होगा। ये मुकाबला टीम के लिए आसान नहीं होगा। वियतनामी टीम साल 2022 में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को दो बार की विजो जापान से खेलना होगा। ये मुकाबला भी काफी कठिन होगा क्योंकि जापान फीफा रैंकिंग में शीर्ष टीमों में से एक है। जापान की कई खिलाड़ी इंग्लैंड लीग में भी खेलती हैं, जिससे भी वह काफी बेहतर मानी जाती हैं।

भारतीय टीम 10 मार्च को भारत चीनी ताइपे से खेलेगी। फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-ऑफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलो जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ के जरिये आगे जाना होगा। इस टूर्नामेंट में अगले 20 दिनों टूर्नामेंट में 12 टीमें 27 मुकाबलों में उतरेंगी जिससे एशियाई चैंपियन का फैसला होगा। इससे उनकी 2027 महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह भी आसान होगी। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास माना जा रहा है। स्टार खिलाड़ी सैम केर की कप्तानी वाली टीम की स्वर्णिम पीढ़ी के लिए घरेलू मैदान पर बड़ा खिताब जीतने का यह शायद आखिरी मौका हो सकता है।

भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच

फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-ऑफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलो जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ के जरिये आगे जाना होगा। इस टूर्नामेंट में अगले 20 दिनों टूर्नामेंट में 12 टीमें 27 मुकाबलों में उतरेंगी जिससे एशियाई चैंपियन का फैसला होगा। इससे उनकी 2027 महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह भी आसान होगी। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास माना जा रहा है।

होप ने कहा सैमसन की पारी से मैच हमारे हाथ से निकला

कोलकाता, एजेंसी

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने टी20 विश्वकप से बाहर होने पर निराश जतायी है। होप ने कहा कि भारतीय टीम के बल्लेबाज संजू सैमसन की पारी से ये मैच उनके हाथ से निकल गया। होप के अनुसार टीम के शीर्ष क्रम के असफल होने से भी उन्हें नुकसान हुआ। साथ ही कहा कि अगर ऐसा नहीं होता तो परिणाम कुछ और होता। वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 195 रन बनाए। वहीं अंत में उनकी टीम करीब 20 रन और बना सकती थी पर उनकी धीमी पारी से इसपर पानी फिर गया। होप ने 32 रन बनाने के लिए 33 गेंदें खेलीं और उनका स्ट्राइक रेट काफी कम 96 रहा।

वह 17 गेंदों पर रन नहीं बना पायी और इसी से मैच में अंतर आ गया। होप ने कहा, मैं गलती मानता हूं। मुझे और तेज बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। जब आप नेतृत्व कर रहे होते हैं तो आप आगे बढ़कर लय बनाना चाहते हैं। आज मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ।

व्यापार

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 1,048, निफ्टी पर, 312 अंक पर गिरा

मुंबई ,एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही करोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इजरायल-ईरान युद्ध के कारण भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ने से बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,048.34 अंक नीचे आकर 80,238.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 312.95 अंक गिरकर 24,865.70 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकर 7 लाख करोड़ रुपए कम होकर 456 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि शुक्रवार को 463 लाख करोड़ रुपए था। इससे निवेशकों को भारी झटका लगा है। कारोबार के दौरान निफ्टी इन्फ्रा 2.23 फीसदी , निफ्टी ऑटो 2.20 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.15 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.15 फीसदी, निफ्टी पीएसयू 1.84 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ।निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.49 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.24फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.02 फीसदी ही उछले। सेंसेक्स पैक में बीईएल, सन फार्मा और आईटीसी के शेयरों को लाभ हुआ जबकि इंडिगो, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, ट्रेंट, इटरनल, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। आज लार्जकैप के साथ ही स्मॉलकैप और मिडकैप में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 935.10 अंकपर पहुंचा।

सोना 4759 रुपये महंगा हुआ, 3 फीसदी बढ़ा

मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोना और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। अमेरिका, इजराइल और इरान के बीच बढ़ते टकराव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे निवेशकों का रुख सुरक्षित निवेश यानी बुलियन की ओर हो गया है। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 4,759 रुपये की छलांग लगाकर 1,66,880 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी करीब 3 प्रतिशत उछलकर 2,91,439 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। घरेलू बाजार में यह तेजी अंतरराष्ट्रीय संकेतों के अनुरूप देखी जा रही है। अमेरिकी कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की स्पॉट कीमत 1.86 प्रतिशत बढ़कर 5,345.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। चांदी भी 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.045 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी।

ओपेक प्लस बढ़ाएगा तेल उत्पादन

न्यूयॉर्क । ईरान पर हाल के बड़े सैन्य हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में इज़राइल और अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमले हो रहे हैं। इन घटनाओं के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में बाधा आने की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि फारस की खाड़ी के संकरे जल मार्ग, खासकर होर्मुज जलडमरुमध्य से गुजरने वाले तेल निर्यात पर इन हमलों का असर हो सकता है। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और उसके सहयोगी देशों (ओपेक प्लस) की हाल ही में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया कि अप्रैल में कच्चे तेल का उत्पादन प्रतिदिन 2,06,000 बैरल बढ़ाया जाएगा। यह बढ़ोतरी विश्लेषकों के अनुमान से अधिक है। उत्पादन बढ़ाने वाले आठ देशों में सऊदी अरब, रूस, ईराक, यूएई, कुवैत, कजाखस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 240 अरब डॉलर के निवेश का किया गया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

16 से 21 फरवरी 2026 तक आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' को एआई क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन बताया गया। सम्मेलन में करीब छह लाख लोगों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। 100 से अधिक देशों और 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों ने भी हिस्सा लिया। सम्मेलन में आयोजित एआई इम्पैक्ट प्रदर्शनी में 850 से अधिक प्रदर्शकों ने हिस्सा लिया, जिससे यह वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी एआई प्रदर्शनी में से एक बन गई। सम्मेलन में रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी समूह, गूगल, लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स और टाटा समूह समेत शीर्ष निवेशकों ने 240 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश की घोषणा की। सम्मेलन में जताई गई निवेश प्रतिबद्धताओं के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एआई केंद्रित अवसंरचना पर सात वर्षों में 110 अरब डॉलर निवेश का वादा किया जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज ने 2035 तक 100 अरब डॉलर निवेश की योजना घोषित की। इनके अलावा जनरल कैटेलिस्ट ने पांच वर्षों में पांच अरब डॉलर और लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स ने 10 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता जताई। गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने भारत-अमेरिका के बीच नए समुद्री केबल मार्गों और विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के एआई हब में निवेश की घोषणा की। इस बीच टाटा समूह ने एआई-सक्षम डेटा सेंटर के विस्तार के लिए ओपनएआई के साथ साझेदारी की घोषणा की।

सम्मेलन में एक अहम घोषणा भारत की राष्ट्रीय स्वामित्व वाली कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाने से जुड़ी रही। इंडिया एआई मिशन के तहत पहले से उपलब्ध 38,000 से अधिक जीपीयू के अलावा आने वाले हफ्तों में 20,000 और जीपीयू जोड़े जाएंगे, जिससे राष्ट्रीय एआई अवसंरचना और मजबूत होगी। बयान के अनुसार इस अवसर पर आयोजित एआई इम्पैक्ट प्रदर्शनी वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी एआई प्रदर्शनी में से एक बनकर उभरी, जिसमें 850 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया।

इंदौर में होली का सबसे बड़ा और धमाकेदार आयोजनः होलीस्थान 4.0

विजय मत, इंदौर। रंगों का त्योहार होली इस साल इंदौर में और भी खास और भव्य होने जा रहा है। शहर का सबसे बड़ा और चर्चित होली इवेंट ÷होलीस्थान 4.0÷ इस बार लाभ गंगा गार्डन, इंदौर में 4 मार्च को भव्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा। यह इवेंट युवाओं, परिवारों और बच्चों के लिए एक परफेक्ट एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन बनने जा रहा है, जहां रंग, संगीत, मस्ती और स्वादिष्ट खाने का शानदार संगम देखने को मिलेगा।

होलीस्थान 4.0 को इंदौर का सबसे बड़ा और प्रसिद्ध होली सेलिब्रेशन माना जा रहा है, जहां हर साल हजारों लोग शामिल होते हैं। इस बार इवेंट का मुख्य आकर्षण रहेगा दो इंटरनेशनल डीजे का लाइव परफॉर्मेंस।

पहली बार इंदौर में किसी होली इवेंट में दो इंटरनेशनल डीजे एक साथ परफॉर्म करने जा रहे हैं ङ्क डी जे कटरीना और डी जे जेनिया । यह म्यूजिक लवर्स के लिए एक ऐतिहासिक और यादगार अनुभव साबित होने वाला है।

पश्चिम एशिया तनाव से तेल बाजार में उबाल

मुंबई । पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर वैश्विक तेल बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते टकराव के बीच सोमवार को ब्रेंट कच्चा तेल लगभग 8 प्रतिशत उछलकर 78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले एक सप्ताह में तेल की कीमतों में करीब 10 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है, जिससे वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है। सबसे बड़ी चिंता स्ट्रेट आफ होरमुज को लेकर है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल इसी मार्ग से होकर गुजरता है।

बाजार फिर रूस से बढ़ाएगा क्रूड ऑयल की खरीद, देश में कितने दिन का तेल रिजर्व

तेल खरीद पर बढ़ते संकट से निपटने के लिए भारत का प्लान बी तैयार

नई दिल्ली,एजेंसी

ईरान और अमेरिका में जारी युद्ध के बीच भारत ने अपनी तेल खरीद पर बढ़ते संकट से निपटने के लिए प्लान बी तैयार कर लिया है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्ति मार्ग के बंद होने से भारत को निकट भविष्य में कच्चे तेल की आपूर्ति में किसी बड़े व्यवधान का सामना करने की आशंका नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि कच्चे तेल का भंडार कम से कम 10 दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और ईरान संकट लंबा खिंचता है तो भारत फिर से रूस के साथ तेल खरीद को बढ़ा सकता है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमलों के बाद तेजी से बदलते घटनाक्रम में इस्लामिक गणराज्य के सर्वोच्च नेता के मारे जाने की खबरें भी शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह संघर्ष बहुत लंबा नहीं चलेगा।

हालांकि, शीर्ष अधिकारियों और विश्लेषकों का कहना है कि यदि तनाव बढ़ता है तो भारत के पास आकस्मिक योजनाएं तैयार हैं। उसे अपनी तेल खरीद की रणनीति में भी बदलाव करना होगा और इसके लिए भारत तैयार है। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा था कि अमेरिका और इजरायल के मिसाइल हमलों के जवाब में उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा निकासी बिंदुओं में से एक है, जिससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी हिस्सा गुजरता है। इस रास्ते के बंद होने से भारत पर भी गहरा असर पड़ने की आशंका है और इन बदलती परिस्थितियों में भारत के पास भी अपनी रणनीति बदलने का अवसर है। अधिकारियों ने कहा कि कम अवधि के लिए इसके बंद होने से भारत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उसके पास ईंधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त आपूर्ति है। हालांकि, यदि होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है।

न्यूज इन शॉर्ट

हर्षोल्लास एवं आपसी प्रेम के साथ मनाएं होली पर्व : हेमंत खण्डेलवाल

विजय मत, भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने प्रदेशवासियों और पार्टी कार्यकर्ताओं को होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली पर्व भारत की समृद्ध, सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जिसका हमारी सनातन संस्कृति में विशेष महत्व है। होली का यह पर्व जीवन को अर्थपूर्ण बनाने, जनसेवा के प्रति हमें समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। साथ ही समाज में समता, प्रेम और समरसता की भावना का विस्तार करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि हम सभी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना परंपरागत हर्षोल्लास व आपसी प्रेम के साथ होली का पर्व मनाएं। पावन पर्व को इको फ्रेंडली पर्यावरण संरक्षण के लिए गोबर से बने हुए कंडे और गौ काष्ठ से ही होली जलाएं। उन्होंने प्रदेशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली पर्व पर स्नेह के बंधन को मजबूत कर पर्व को सार्थक बनाना है।

रंगों का पर्व होली सभी के जीवन में खुशियों के इंद्रधनुष बिखेरे: मंत्री भूरिया

विजय मत, भोपाल। महिला-बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि होली का पर्व भारतीय संस्कृति का उल्लास, उमंग और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह त्यौहार हमें प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के रंगों से समाज को सराबोर करने की प्रेरणा देता है। मंत्री भूरिया ने प्रदेश की समस्त माताओं, बहनों, बेटियों एवं बच्चों सहित सभी प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं है। उन्होंने कहा कि होली का यह पावन पर्व हमारे जीवन से नकारात्मकता को दूर कर नई ऊर्जा, नई आशा और नई सकारात्मक सोच का संचार करे। यह अवसर है जब हम आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के जीवन में खुशियों के रंग भरें और समाज में समानता, सम्मान तथा सुरक्षा की भावना को और मजबूत करें। महिला-बाल विकास मंत्री भूरिया ने कहा कि हम सब मिलकर सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल होली मनाने का संकल्प लें तथा महिलाओं और बच्चों के सम्मान एवं सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करे।

भोपाल रेल मण्डल में सेवा संकल्प बैठक का आयोजन

विजय मत, भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मण्डल में 02 मार्च को मण्डल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी की अध्यक्षता में कंट्रोल ऑफिस स्थित आपदा प्रबंधन कक्ष में एक महत्वपूर्ण सेवा संकल्प बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा नए प्रधानमंत्री कार्यालय सेवा तीर्थ में अपनाए गए सेवा संकल्प प्रस्ताव के क्रियान्वयन एवं उसके दूरदर्शी विजन पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के दौरान विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को केंद्र में रखते हुए राष्ट्र को आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं सशक्त बनाने के संकल्प पर बल दिया गया। साथ ही डिजिटल इंडिया सहित विभिन्न प्रशासनिक एवं तकनीकी सुधारों के माध्यम से कार्य दक्षता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। मण्डल रेल प्रबंधक ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय रेल राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है तथा सेवा संकल्प के अनुरूप प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को जनसेवा की भावना से कार्य करना चाहिए। उन्होंने डिजिटल तकनीकों के अधिकतम उपयोग, समयबद्ध निष्पादन, यात्री सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा सुरक्षा मानकों के सतत उन्नयन पर विशेष जोर दिया।

ऊर्जा मंत्री ने बड़वानी जिले के राजपुर में तीन ग्रिडों का किया निरीक्षण

विजय मत, भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार अपराह्न तीन स्थानों पर 33/11 केवी ग्रिडों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रिडों पर नियम पालन और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बड़वानी जिले के नागलवाडी में कैबिनेट की मीटिंग के बाद मंत्री तोमर ने राजपुर, जिला बड़वानी में 33/11 केवी विद्युत ग्रिड का निरीक्षण कर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।

कृषि कैबिनेट के बाद मुख्यमंत्री ने किया प्रबुद्धजनों से संवाद

महिलाओं, खिलाड़ियों और किसानों की प्रगति सरकार की प्राथमिकता : मोहन

विजय मत, बड़वानी

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पहली कृषि कैबिनेट के अवसर पर बड़वानी जिले के प्रबुद्धजनों, स्व-सहायता समूह की लखपति दीदियों, राष्ट्रीय खिलाड़ियों और उन्नत किसानों से भेंट की। उन्होंने कहा कि रा'य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को सशक्त बनाने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, ग्रामीण नवाचार, खेल प्रतिभाओं के संवर्धन और कृषि आधारित उद्यमों को रा'य की विकास रणनीति का महत्वपूर्ण आधार बताया।

ड्रोन दीदी से आत्मनिर्भरता की नई उड़ान: ग्राम भागसुर की सीमा नरगावे ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उन्होंने जैविक खेती और ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण लिया। आज वे गांव में ड्रोन के माध्यम से खेतों में उर्वरक और कीटनाशक का छिड़काव कर रही हैं, जिससे श्रम और समय दोनों की बचत हो रही है। पहले जो कार्य घंटों में होता था, वह अब मिनटों में पूरा हो रहा है। इससे उनकी आय में नियमित वृद्धि हुई है और वे अन्य महिलाओं को भी आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तकनीकी नवाचार का सशक्त उदाहरण बताया।

खिलाड़ियों को आधारभूत सुविधा और प्रोत्साहन

राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी स्नेहा मोहनिया ने बड़वानी में एस्ट्रो-टर्फ मैदान की मांग रखी, जिसे मुख्यमंत्री ने सिद्धांततः स्वीकार करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। एयर राइफल शूटिंग की राष्ट्रीय खिलाड़ी वैष्णवी महुले को रा'य स्तरीय शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए गए। जुलवानिया में बालिकाओं को प्रशिक्षण दे रहे कोच नीरज को उत्कृष्ट योगदान के लिए 5 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्नत किसान और कृषि उद्यमिता का विस्तार

ग्राम घटवा के महेश पाटीदार ने 'गुड़ की चाय' उत्पाद के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उल्लेखनीय पहचान बनाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत ऋण और अनुदान प्राप्त कर उत्पादन शुरू किया और वर्तमान में प्रतिवर्ष लगभग 500 क्विंटल पैकेट का विक्रय कर रहे हैं। उनका लक्ष्य इसे एक हजार क्विंटल तक ले जाने का है। वहीं अमोल महाजन ने विदेश की नौकरी छोड़कर केला उत्पादन का स्टार्ट-अप प्रारंभ किया, जिसका निर्यात दुबई, ईरान और इराक सहित कई देशों में हो रहा है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय उत्पादों के मूल्य संवर्धन और निर्यात को प्रदेश की आर्थिक सशक्तता से जोड़ा।

द फतेह सिंह राठौर वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन अवार्ड-2026 से शिवपुरी के वन कर्मचारी हुए सम्मानित

राजस्थान के सवाई माधोपुर में हुआ अवार्ड समारोह

विजय मत, भोपाल

वन विभाग द्वारा वन, वन्य-जीव एवं जैव-विविधता संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर नये आयाम स्थापित किये जा रहे हैं। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश की शिवपुरी इकाई के प्रभारी राजीव सिंह राजपूत, वन क्षेत्रपाल राजकुमार शर्मा, बृजेश राजपूत, कमल सिंह सेनवार और वन रक्षक विकास खत्री को द फतेह सिंह राठौर वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड एक मार्च को सवाई माधोपुर में टाइगर वॉच संस्था एवं स्थानीय वन विभाग द्वारा आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। द फतेह सिंह राठौर वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन अवार्ड-2026 प्रतिवर्ष विश्व के जाने-माने वन्य-जीव विशेषज्ञ एवं वन अधिकारी स्व. फतेह सिंह राठौर की स्मृति में प्रदान किया जाता है। अवार्ड के अंतर्गत 5 वनकर्मियों को प्रशस्ति-पत्र तथा 10-10 हजार रुपये की राशि प्रदान की गयी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव के सतत मार्गदर्शन एवं प्रभारी अधिकारी स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स के नेतृत्व में वन एवं वन्य-जीव अपराधों में लिप्त राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का पर्दाफाश कर लगभग एक हजार से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। शिवपुरी इकाई द्वारा किये गये वन्य-जीव संरक्षण कार्य की सराहना अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हुई है। अवार्ड समारोह में राजस्थान के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, वन्य-जीव विशेषज्ञ और वन अधिकारी शामिल हुए।

किसानों के कल्याण के लिए 27 हजार 746 करोड़ रुपए खर्च करने जा रही सरकार: शैलेन्द्र बरूआ

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ ने किसान कल्याण वर्ष में किसानों के कल्याण और लोक संस्कृति के सम्मान के प्रकटीकरण के लिए बड़वानी जिले के नागलवाड़ी गांव में आयोजित कृषि कैबिनेट में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विरासत के साथ विकास की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जनजातियों के आराध्य भीलटदेव के मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ कृषि कैबिनेट में किसानों के कल्याण के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। कृषि कैबिनेट में किसान कल्याण से संबंधित छह महत्वपूर्ण विभागों की 16 योजनाओं की 27 हजार 746 करोड़ की विभिन्न योजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है। कृषि कैबिनेट के इस निर्णय से निमाड़ के साथ संपूर्ण मध्यप्रदेश के विकास को रफ्तार मिलेगी।

बड़वानी बनेगा पर्यटन केंद्र, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही सरकार

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बड़वानी को पर्यटन केंद्र बनाने जा रही है। भविष्य में कई ऐसी परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की जाएगी, जिससे जनजातीय बहुल बड़वानी में रोजगार के साधन बढ़ेंगे। खेतिया कृषि उपज मंडी को आदर्श मंडी बनाने से क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज गांव के पास ही बेचने की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है।

विजय मत, भोपाल

भोपाल में सोमवार को न्यू मार्केट व्यापारी संघ न्यू मार्केट में होलिका दहन किया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस/राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह में होंगी विभिन्न गतिविधियाँ

विजय मत, भोपाल

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 04 मार्च से 10 मार्च 2026 तक देशभर में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया जाएगा, जिसकी शुरुआत 04 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में होगी। इस अभियान का शुभारंभ वर्ष 1972 में औद्योगिक प्रतिष्ठानों, कार्यस्थलों एवं सार्वजनिक जीवन में सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से किया गया था। वर्ष 2026 में यह महत्वपूर्ण अभियान अपने 55वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। समय के साथ यह पहल व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य Occupational Safety and Health - OSH को सुदृढ़ करने के लिये एक प्रभावी राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुकी है, जिसमें औद्योगिक प्रतिष्ठान, श्रमिक संगठन, शासकीय विभाग एवं नियामक संस्थाएँ सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं। वर्तमान औद्योगिक परिदृश्य में तकनीकी विस्तार एवं जटिल कार्य प्रक्रियाओं के दृष्टिगत सुरक्षा प्रबंधन की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। दुर्घटनाओं की रोकथाम, जोखिमों की समयपूर्व पहचान तथा आपातकालीन तैयारी प्रत्येक औद्योगिक इकाई की प्राथमिक जिम्मेदारी है। वर्ष 2026 के लिये निर्धारित थीम है- Engage, Educate & Empower People to Enhance Safety यह थीम स्पष्ट करती है कि सुरक्षित कार्यस्थल का निर्माण तभी संभव है जब प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षा प्रक्रिया में सहभागी हो, नियमित रूप से प्रशिक्षित हो तथा उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार अपनाए। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत प्रदेश के समस्त औद्योगिक प्रतिष्ठानों में गतिविधियाँ की जायेंगी - खतरनाक श्रेणी के कारखानों में ऑन-साइट इमरजेंसी प्लान का पूर्वाभ्यास । कारखानों में सेफ्टी पोस्टर्स एवं स्लोगन प्रतियोगिता। सुरक्षा संबंधी नाटकों का आयोजन, निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता। व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन। स्वास्थ्य एवं औद्योगिक सुरक्षा विषयक सेमिनार एवं श्रमिकों के लिये सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल है। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का उद्देश्य केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

गति और पेशेवर दक्षता को बढ़ाने का टूल है ऑटोकैड

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड विद्युत परियोजना को दृष्टिगत रखते हुए अभियंताओं को ऑटोकैड का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। ऑटोकैड के प्रशिक्षण का लाभ यह होता है कि पावर प्रोजेक्ट इंजीनियर मुश्किल इलेक्ट्रिकल, स्ट्रक्चरल व स्कीमैटिक ले-आउट को ऑटोमेशन से बहुत ज़्यादा सटीकता, तेज़ी से डिज़ाइन को दोहराने और बेहतर प्रोडक्टिविटी दे पाते हैं। ऑटोकैड स्पेशल प्लानिंग के लिए 3 डीविज़ुअलाइज़ेशन देता है और इंडस्ट्री-स्टैंडर्ड 2 डी व 3 डीमॉडलिंग के ज़रिए वर्कफ्लो को आसान बनाता है। जिससे गलतियाँ कम होती हैं। पावर जनरेटिंग कंपनी के सिविल, इंजीनियरिंग और परियोजना उत्पादन के 17 अभियंताओं को मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग प्रशिक्षण संस्थान जबलपुर में दो सप्ताह का ऑटोकैड प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण ऑटोडेस्क प्रमाणित केन्द्र के मुख्य प्रशिक्षक अविनाश विश्वकर्मा द्वारा दिया गया। अधीक्षण अभियंता प्रशिक्षण डा. अशोक तिवारी ने जानकारी दी कि द्वितीय चरण के प्रशिक्षण में अभियंताओं को

ऑटोकैड के सभी उपयोगी फीचर्स जैसे टू-डी, थ्री-डी मॉडलिंग, लेयर बनाना, ब्लॉक, टेम्पलेट, डाइमेंशनिंग, लेआउट, प्लाटिंग, एडिटिंग, रेंडरिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

गति व पेशेवर दक्षता को बढ़ाने का टूल है ऑटोकैड

पावर जनरेटिंग कंपनी के कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन व प्रशासन दीपक कश्यप ने प्रशिक्षण के समापन पर कहा कि ऑटोकैड सिर्फ ड्राइंग बनाने का सॉफ्टवेयर नहीं है, बल्कि इंजीनियरिंग कार्य की गुणवत्ता,गति व पेशेवर दक्षता को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण टूल है।ऑटोकैड में आधुनिक फीचर्स के कारण एक ही प्रकार के काम को बार-बार जल्दी किया जा सकता है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार अलीराजपुर के ऐतिहासिक भगोरिया मेले में हुए शामिल

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आज अलीराजपुर के ऐतिहासिक भगोरिया मेले में शामिल हुए। मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि कैलाश विजयवर्गीय भी अलीराजपुर पहुँचे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कैलाश विजयवर्गीय जी, कल तक आप आदिवासियों को औकात दिखाने की बात कर रहे थे और आज अलीराजपुर में भगोरिया के पावन उत्सव में शामिल होने का ढोंग कर रहे हैं? मैं पूछना चाहता हूँ क्या आप यहाँ फिर से आदिवासियों को उनकी औकात दिखाने आए हैं? इस अवसर पर उनके साथ विधायक सेना महेश पटेल एवं आदिवासी विकास परिषद के उपाध्यक्ष महेश पटेल सहित हजारों की संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि क्या कैलाश विजयवर्गीय अपने वक्तव्य को लेकर पूरे आदिवासी समाज से माफी मांगेंगे ? उन्होंने दोहराया कि

आदिवासी समाज का सम्मान सर्वोपरि है और उनकी अस्मिता, परंपराओं एवं अधिकारों की रक्षा के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। वही भगोरिया महापर्व के दौरान मांदल और ढोल की थाप पर नेता प्रतिपक्ष ने पारंपरिक वेशभूषा में आदिवासी समाज के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा

आज अलीराजपुर के ऐतिहासिक भगोरिया मेले में अपनों के बीच पहुँचकर मन भावविभोर है। ढोल की थाप और मांदल की गूँज केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली आदिवासी संस्कृति और अटूट एकता की पहचान है। आज मैं नेता प्रतिपक्ष के नाते नहीं, बल्कि आपके परिवार के एक सदस्य के रूप में अपनी माटी और परंपराओं को सहेजने का संकल्प लेकर आया हूँ।

हर युवा को अवसर, हर प्रतिभा को समर्थन, कौशल विकास पर बड़ा फोकस

बजट में मुख्यमंत्री का युवा सामर्थ्य को नई उड़ान, कौशल प्रशिक्षण पर बड़ा प्रावधान

विजय मत, भोपाल

कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के लिए इस वर्ष का बजट स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि प्रदेश की विकास यात्रा का केंद्र युवा शक्ति है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने शिक्षा, तकनीकी दक्षता और रोजगार सृजन को एकीकृत दृष्टि के साथ आगे बढ़ाते हुए व्यापक वित्तीय प्रावधान सुनिश्चित किए हैं। यह बजट केवल राशि का आवंटन नहीं, बल्कि युवाओं को अवसर, संसाधन और आत्मविश्वास देने का ठोस प्रयास है। मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने और आर्थिक बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के अंतर्गत 750 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगा और उन्हें प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक वातावरण में आगे बढ़ने का अवसर देगा। तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता और अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में पॉलिटेक्निक संस्थाओं के लिए 295 करोड़ रु. तथा स्वशासी तकनीकी संस्थाओं को सहायता के अंतर्गत 250 करोड़ रु. निर्धारित किए गए हैं। इन प्रावधानों से प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण, उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को मजबूती मिलेगी, जिससे विद्यार्थी सीधे रोजगार से जुड़ सकेंगे। कौशल उन्नयन को नई दिशा देने के लिए ए.डी.वी परियोजना (कौशल विकास) के लिये 110 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। उद्योगों से प्रशिक्षण का सीधा संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कौशल अप्रेंटिसशिप योजना के अंतर्गत 100 करोड़ रु. निर्धारित किए गए हैं, जिससे युवाओं को कार्यस्थल आधारित प्रशिक्षण के अधिक अवसर मिलेंगे। एम युवा शक्ति योजना के लिए 100 करोड़ और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के लिए 95 करोड़ रु. का प्रावधान यह सुनिश्चित करता है कि अधिकाधिक युवा प्रमाणित कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

विजय मत एंकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में सशक्तिकरण, पोषण और सुरक्षा पर रिकॉर्ड बजट

मध्यप्रदेश में महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बीते वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। बच्चों, किशोरी बालिकाओं और महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, संरक्षण तथा आर्थिक सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए विभाग ने योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया है। इसके साथ ही विभाग ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ऐतिहासिक बजट प्रावधान भी सुनिश्चित किया है।

आंगनवाड़ी तंत्र का सशक्त विस्तार: प्रदेश में 453 एकीकृत बाल विकास परियोजनाओं के अंतर्गत 97,882 आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं, जिनके माध्यम से लगभग 84 लाख हितग्राहियों को सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। आंगनवाड़ियों में जियो-फेंसिंग आधारित ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है। प्रदेश कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की पारदर्शी ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर देश का पहला राज्य बना है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के लिए 3,768 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

पोषण अभियान में राष्ट्रीय पहचान: पोषण 2.0 के अंतर्गत मातृ एवं शिशु पोषण, गंभीर कुपोषित बच्चों के उपचार और निगरानी हेतु पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से सभी आंगनवाड़ियों की मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रदेश में फेस मैचिंग प्रणाली लागू कर 94 प्रतिशत हितग्राहियों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है, जिसमें देश में प्रथम स्थान पर है। पूरक पोषण आहार कार्यक्रम के अंतर्गत टेक होम राशन और गर्म पका भोजन योजना से 60 लाख से अधिक बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं को लाभ मिल रहा है। पोषण आहार के लिए 1,150 करोड़ रुपये तथा पोषण अभियान हेतु 250 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है।

सुरक्षा और संरक्षण तंत्र सुदृढ़

प्रदेश में 57 वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं तथा 8 नए केंद्रों की स्वीकृति मिली है। महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के माध्यम से इस वर्ष 1.43 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रदेश लगातार अग्रणी रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इसके लिए 386 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

ऐतिहासिक बजट प्रावधान

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की मांग संख्या 55 अंतर्गत कुल 32,730 करोड़ 45 हजार रुपये (भारित छोड़कर) का बजट प्रावधान रखा गया है, जो प्रदेश में महिला एवं बाल कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण और पोषण सुधार के क्षेत्र में जो प्रगति की है, वह राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर रही है। सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और पोषण सुधार के त्रिस्तरीय दृष्टिकोण ने प्रदेश को समावेशी विकास की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ाया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail vijaymat.sdl@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997